



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

खण्ड 77] प्रयागराज, शनिवार, 23 सितम्बर, 2023 ई० (आश्विन 01, 1945 शक संवत्) [संख्या 38

### विषय-सूची

हर भाग के पन्ने अलग-अलग किये गये हैं, जिससे इनके अलग-अलग खण्ड बन सके।

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा	विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य		रु०			रु०
भाग 1— विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	591-606	3075	भाग 4— निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश	..	975
भाग 1—क— नियम, कार्य-विधियां, आज्ञायें, विज्ञप्तियां इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	1197-1210	1500	भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तर प्रदेश		975
भाग 1—ख (1) औद्योगिक न्यायाधिकरणों के अभिनिर्णय			भाग 6—(क) बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किये गये या प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये		975
भाग 1—ख (2)—श्रम न्यायालयों के अभिनिर्णय			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
भाग 2—आज्ञायें, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों का उद्धरण	..	975	भाग 6—क—भारतीय संसद के ऐक्ट		
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़पत्र, खण्ड क—नगरपालिका परिषद्, खण्ड ख—नगर पंचायत, खण्ड ग—निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड घ—जिला पंचायत	347-358	975	भाग 7—(क) बिल, जो राज्य की धारा सभाओं में प्रस्तुत किये जाने के पहले प्रकाशित किये गये		
			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		975
			भाग 7—क—उत्तर प्रदेशीय धारा सभाओं के ऐक्ट		
			भाग 7—ख—इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां	..	
			भाग 8—सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रुई की गाठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आँकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आँकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि	507-516	975
			स्टोर्स-पर्वज विभाग का क्रोड़ पत्र	..	1425

**भाग 1**

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस।

**गृह (गोपन) विभाग**

अनुभाग-3

अधिसूचना

23 फरवरी, 2021 ई०

सं० 103/1/13/2019-सीएक्स-3—चूंकि नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि ऐसा स्थान है, जिसका उपयोग प्राकृतिक गैस पाइपलाइन के लिये किया जाता है, जो लोक प्रकृति के प्रयोजन का कार्य है।

और चूंकि उसके सम्बन्ध में किसी सूचना या उसके नष्ट होने या उसमें रुकावट या विघ्न पड़ने से शत्रु को लाभ पहुंचेगा।

अतएव, अब भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना संख्या एस० ओ० 1285, दिनांक 04 मई, 1963 के साथ पठित शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (अधिनियम संख्या उन्नीस, सन् 1923) की धारा 2 के खण्ड (8) के उप खण्ड (घ) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये एक "प्रतिषिद्ध स्थान" घोषित करती हैं और यह निर्देश देती हैं कि इस अधिसूचना की एक प्रति अंग्रेजी में और उस स्थान की जन भाषा में उक्त भू-गृहादि पर लगाई जायेगी।

**अनुसूची****प्रतिषिद्ध स्थान का नाम और विनिर्देश**

सेक्शनलाईज्ड वॉल्व स्टेशन-1 ग्राम जलपुरा तहसील दादरी, जिला गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश

पूर्व में—	खाली भूमि एवं आवासी भू-खण्ड।
पश्चिम में—	रास्ता।
उत्तर में—	आवासीय भू-खण्ड।
दक्षिण में—	मकान एवं आवासीय भू-खण्ड।

आज्ञा से,  
अवनीश कुमार अवस्थी,  
अपर मुख्य सचिव।

**GRIH GOPAN****ANUBHAG-3**

The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 103/1/13/2019-CX-3, dated February 23, 2021 for general information.

**NOTIFICATION**

February 23, 2021

**No. 103/1/13/2019-CX-3**—WHEREAS the premises named, detailed and described in the Schedule given below is a place used for Natural Gas Pipeline, a work for purposes of a public character;

AND WHEREAS an information with respect thereto, of the destruction or obstruction thereof, or interference therewith, would be useful to an enemy.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers under sub-clause (d) of clause (8) of section 2 of the Official Secrets Act, 1923 (Act no. XIX of 1923), read with Government of India, Ministry of Home Affairs

Notification No. S.O. 1285 dated May 4, 1963, the Governor is pleased to declare the premises named, detailed and described in the Schedule given below to be a "Prohibited Place" for the purposes of the said Act and to direct that a copy of this notification in English and in the vernacular of the locality be affixed to the said premises.

### Schedule

#### Name and specifications of the prohibited place

Sectionalized Valve Station-1 at Village-Jalpura, Tehsil-Dadri, District-Gautum Budh Nagar, Uttar Pradesh.

In East-	Vacant land and residential plots.
In West-	Rasta.
In North-	Residential plots.
In South-	House and Residential plots.

By order,

AWANISH KUMAR AWASTHI,  
Additional Chief Secretary.

### अधिसूचना

17 अगस्त, 2023 ई०

सं० 1123/2023-सीएक्स-3—चूंकि नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि, पेट्रोलियम और प्रकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार का एक ऐसा स्थान है, जिसका उपयोग एन०एफ०एल० नांगल और एन०एफ०एल० बठिंडा पाइपलाइन, जिला—सहारनपुर को एल०पी०जी० और पेट्रोलियम की आपूर्ति/वितरण के लिये किया जाता है।

और चूंकि उसके सम्बन्धित या उसके नष्ट होने या उसमें रुकावट या विघ्न पड़ने की सूचना से शत्रु को लाभ पहुंचेगा।

अतएव, अब गृह मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना संख्या एस० ओ० 1285, दिनांक 04 मई, 1963 के साथ पठित शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (अधिनियम संख्या उन्नीस, सन् 1923) की धारा 2 के खण्ड (8) के उप खण्ड (घ) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये एक "प्रतिषिद्ध स्थान" घोषित करती हैं और यह निर्देश देती हैं कि इस अधिसूचना की एक प्रति अंग्रेजी में और उस स्थान की जन भाषा में उक्त भू-गृहादि पर लगाई जायेगी।

### अनुसूची

#### प्रतिषिद्ध स्थान का नाम और विनिर्दिष्टियां

वॉल्व स्टेशन—4 ग्राम तालबपुर, तहसील नकुड़, जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश

पूर्व में—	कृषि भूमि जयवीर, सुबोध पुत्रगण राजेन्द्र।
पश्चिम में—	रास्ता।
उत्तर में—	कृषि भूमि जयवीर, सुबोध पुत्रगण राजेन्द्र।
दक्षिण में—	कृषि भूमि जयवीर, सुबोध पुत्रगण राजेन्द्र।

आज्ञा से,  
संजय प्रसाद,  
प्रमुख सचिव।

The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 1123/2023-CX-3, dated August 17, 2023 for general information.

#### NOTIFICATION

August 17, 2023

**No. 1123/2023-CX-3**—WHEREAS the premises named, detailed and described in the Schedule given below is a place of Ministry of Petroleum and Natural Gas, Government of India used for Transmission & Distribution of LPG & Petroleum Product Supplying to NFL Nagal and NFL Bathinda Pipeline, District-Saharanpur.

AND WHEREAS an information with respect thereto, of the destruction or obstruction thereof, or interference therewith, would be useful to an enemy.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers under sub-clause (d) of clause (8) of section 2 of the Official Secrets Act, 1923 (Act no. XIX of 1923), read with Government of India, Ministry of Home Affairs Notification No. S.O. 1285 dated May 4, 1963, the Governor is pleased to declare the premises named, detailed and described in the Schedule given below to be a "Prohibited Place" for the purposes of the said Act and to direct that a copy of this notification in English and in the vernacular of the locality be affixed to the said premises.

#### Schedule

Name and specifications of the prohibited place

Valve Station-4, Village-Talabpur, Tehsil-Nakur, District-Saharanpur, Uttar Pradesh.

In East-	Agriculture land of Jaiveer, Subodh S/o Rajendra.
In West-	Rasta.
In North-	Agriculture land of Jaiveer, Subodh S/o Rajendra.
In South-	Agriculture land of Jaiveer, Subodh S/o Rajendra.

By order,  
SANJAY PRASAD,  
Principal Secretary.

#### अधिसूचना

17 अगस्त, 2023 ई०

सं० 1124/2023-सीएक्स-3—चूंकि नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि, पेट्रोलियम और प्रकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार का एक ऐसा स्थान है, जिसका उपयोग एन०एफ०एल० नांगल और एन०एफ०एल० बठिंडा पाइपलाइन, जिला—सहारनपुर को एल०पी०जी० और पेट्रोलियम की आपूर्ति/वितरण के लिये किया जाता है।

और चूंकि उसके सम्बन्धित या उसके नष्ट होने या उसमें रुकावट या विघ्न पड़ने की सूचना से शत्रु को लाभ पहुंचेगा।

अतएव, अब गृह मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना संख्या एस० ओ० 1285, दिनांक 04 मई, 1963 के साथ पठित शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (अधिनियम संख्या उन्नीस, सन् 1923) की धारा 2 के खण्ड (8) के उप खण्ड (घ) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये एक "प्रतिषिद्ध स्थान" घोषित करती हैं और यह निदेश देती हैं कि इस अधिसूचना की एक प्रति अंग्रेजी में और उस स्थान की जन भाषा में उक्त भू-गृहादि पर लगाई जायेगी।

## अनुसूची

प्रतिषिद्ध स्थान का नाम और विनिर्दिष्टियां

वॉल्व स्टेशन-3 ग्राम दीपाखेड़ी, तहसील रामपुर मनिहारन, जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश

पूर्व में—	कृषि भूमि इकराम अली, जमील अहमद, यामीन हसन पुत्रगण मोहम्मद व श्रीमती विशम्बरी पत्नी भुल्लण सिंह।
पश्चिम में—	कृषि भूमि, जमील अहमद, इकराम अली, यामीन हसन पुत्रगण मोहम्मद व श्रीमती विशम्बरी पत्नी भुल्लण सिंह।
उत्तर में—	नाली।
दक्षिण में—	रास्ता।

आज्ञा से,  
संजय प्रसाद,  
प्रमुख सचिव।

The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 1124/2023-CX-3, dated August 17, 2023 for general information.

## NOTIFICATION

August 17, 2023

**No. 1124/2023-CX-3**—WHEREAS the premises named, detailed and described in the Schedule given below is a place of Ministry of Petroleum and Natural Gas, Government of India used for Transmission & Distribution of LPG & Petroleum Product Supplying to NFL Nagal and NFL Bathinda Pipeline, District-Saharanpur.

AND WHEREAS an information with respect thereto, of the destruction or obstruction thereof, or interference therewith, would be useful to an enemy.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers under sub-clause (d) of clause (8) of section 2 of the Official Secrets Act, 1923 (Act no. XIX of 1923), read with Government of India, Ministry of Home Affairs Notification No. S.O. 1285 dated May 4, 1963, the Governor is pleased to declare the premises named, detailed and described in the Schedule given below to be a "Prohibited Place" for the purposes of the said Act and to direct that a copy of this notification in English and in the vernacular of the locality be affixed to the said premises.

## Schedule

Name and specifications of the prohibited place

Valve Station-3, Village-Deepakheri, Tehsil-Rampur Maniharan, District-Saharanpur, Uttar Pradesh.

In East-	Agriculture land of Iqram Ali, Zameel Ahmad, Yameen Hasan S/o Mohammad and Smt. Bishambari W/o Bhullar Singh.
In West-	Agriculture land of Iqram Ali, Zameel Ahmad, Yameen Hasan S/o Mohammad and Smt. Bishambari W/o Bhullar Singh.
In North-	Nali.
In South-	Rasta.

By order,  
SANJAY PRASAD,  
Principal Secretary.

## अधिसूचना

17 अगस्त, 2023 ई०

सं० 1119/2023-सीएक्स-3—चूंकि नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि एक ऐसा स्थान है, जिसका उपयोग पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन गैल पाइपलाइन नेटवर्क द्वारा देश के विभिन्न भागों में उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति के लिये किया जाता है।

और चूंकि उसके सम्बन्ध में कोई सूचना या उसके नष्ट होने या उसमें रूकावट या विघ्न पड़ने से शत्रु को लाभ पहुंचेगा।

अतएव, अब भारत सरकार गृह मंत्रालय की अधिसूचना संख्या एस० ओ० 1285, दिनांक 04 मई, 1963 के साथ पठित शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (अधिनियम संख्या 19, सन् 1923) की धारा 2 के खण्ड (8) के उप खण्ड (घ) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये एक "प्रतिषिद्ध स्थान" घोषित करती हैं और यह निर्देश देती हैं कि इस अधिसूचना की एक प्रति अंग्रेजी में और उस स्थान की जन भाषा में उक्त भू-गृहादि पर लगाई जायेगी।

## अनुसूची

प्रतिषिद्ध स्थान का नाम और विनिर्दिष्टियां

एस० वी० एवं आरआर स्टेशन, सिहाना, तहसील—छाता, जिला—मथुरा, उत्तर प्रदेश

पूर्व में—	सिहाना मार्ग।
पश्चिम में—	गाटा संख्या 145 व गाटा संख्या 147 पर क्रमशः श्याम सुन्दर आदि और उत्तमचंद आदि द्वारा कृषि कार्य किया जा रहा है।
उत्तर में—	गाटा संख्या 146 के अवशेष भाग पर राहुल आदि द्वारा कृषि कार्य किया जा रहा है इसके पश्चात गाटा संख्या 149 है, जिस पर वेदराम आदि द्वारा कृषि कार्य किया जा रहा है।
दक्षिण में—	गाटा संख्या 146 के अवशेष भाग पर बीधा सिंह आदि द्वारा कृषि कार्य किया जा रहा है इसके पश्चात शिवाल मार्ग है।

आज्ञा से,  
संजय प्रसाद,  
प्रमुख सचिव।

The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 1119/2023-CX-3, dated August 17, 2021 for general information.

## NOTIFICATION

August 17, 2023

**No. 1119/2023-CX-3—WHEREAS** the premises named, detailed and described in the Schedule given below is a place used for Gas Supply to Consumers in Different Parts of Country by Gail Pipeline Network under Ministry of Petroleum and Natural Gas Government of India.

AND WHEREAS an information with respect thereto, of the destruction or obstruction thereof, or interference therewith, would be useful to an enemy.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers under sub-clause (d) of clause (8) of section 2 of the Official Secrets Act, 1923 (Act no. XIX of 1923), read with Government of India, Ministry of Home Affairs Notification No. S.O. 1285 dated May 4, 1963, the Governor is pleased to declare the premises named, detailed and described in the Schedule given below to be a "Prohibited Place" for the purposes of the said Act and to direct that a copy of this notification in English and in the vernacular of the locality be affixed to the said premises.

**Schedule****Name and specifications of the prohibited place**

S.V. &amp; R. R. Station, Sihan, Tehsil-Chhata, District-Mathura, Uttar Pradesh.

In East-	Sihana Road.
In West-	Gata No. 145 and Gata No. 147 upon which Agriculture work is being done by Shyam Sunder etc. and Uttam Chand etc. respectively.
In North-	Remaining part of the Gata No. 146 upon which Agriculture work is being done by Rahul etc. After that Gata No. 149 is situated upon which agriculture work is being done by Vedram etc.
In South-	Remaining part of the Gata No. 146 upon which Agriculture work is being done by Beedha Singh etc. After that Shival Road exists.

By order,  
SANJAY PRASAD,  
Principal Secretary.

**अधिसूचना**

17 अगस्त, 2023 ई०

सं० 1120/2023-सीएक्स-3—चूंकि नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि एक ऐसा स्थान है, जिसका उपयोग पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन गेल पाइपलाइन नेटवर्क द्वारा देश के विभिन्न भागों में उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति के लिये किया जाता है।

और चूंकि उसके सम्बन्ध में कोई सूचना या उसके नष्ट होने या उसमें रूकावट या विघ्न पड़ने से शत्रु को लाभ पहुंचेगा।

अतएव, अब गृह मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना संख्या एस० ओ० 1285, दिनांक 04 मई, 1963 के साथ पठित शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (अधिनियम संख्या 19, सन् 1923) की धारा 2 के खण्ड (8) के उप खण्ड (घ) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये एक "प्रतिषिद्ध स्थान" घोषित करती हैं और यह निर्देश देती हैं कि इस अधिसूचना की एक प्रति अंग्रेजी में और उस स्थान की जन भाषा में उक्त भू-गृहादि पर लगाई जायेगी।

**अनुसूची****प्रतिषिद्ध स्थान का नाम और विनिर्दिष्टियां**

एस० वी० स्टेशन, लालपुर, तहसील—गोवर्धन, जिला—मथुरा, उत्तर प्रदेश

पूर्व में—	मथुरा—सोख मार्ग।
पश्चिम में—	श्याम का खेत।
उत्तर में—	ज्ञान कालेज, लालपुर।
दक्षिण में—	नहर।

आज्ञा से,  
संजय प्रसाद,  
प्रमुख सचिव।

The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 1120/2023-CX-3, dated August 17, 2021 for general information.

### NOTIFICATION

*August 17, 2023*

**No. 1120/2023-CX-3**—WHEREAS the premises named, detailed and described in the Schedule given below is a place used for Gas Supply to Consumers in Different Parts of Country by Gail Pipeline Network under Ministry of Petroleum and Natural Gas Government of India.

AND WHEREAS an information with respect thereto, of the destruction or obstruction thereof, or interference therewith, would be useful to an enemy.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers under sub-clause (d) of clause (8) of section 2 of the Official Secrets Act, 1923 (Act no. XIX of 1923), read with Government of India, Ministry of Home Affairs Notification No. S.O. 1285 dated May 4, 1963, the Governor is pleased to declare the premises named, detailed and described in the Schedule given below to be a "Prohibited Place" for the purposes of the said Act and to direct that a copy of this notification in English and in the vernacular of the locality be affixed to the said premises.

### Schedule

Name and specifications of the prohibited place

S.V. Station, Lalpur, Tehsil-Govardhan, District-Mathura, Uttar Pradesh.

In East-	Mathura-Sonkh Road.
In West-	Shyam's farm.
In North-	Gyan College Lalpur.
In South-	Canal.

By order,  
SANJAY PRASAD,  
*Principal Secretary.*

### अधिसूचना

17 अगस्त, 2023 ई०

सं० 1121/2023-सीएक्स-3—चूंकि नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि एक ऐसा स्थान है, जिसका उपयोग पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन गेल पाइपलाइन नेटवर्क द्वारा देश के विभिन्न भागों में उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति के लिये किया जाता है।

और चूंकि उसके सम्बन्ध में कोई सूचना या उसके नष्ट होने या उसमें रुकावट या विघ्न पड़ने से शत्रु को लाभ पहुंचेगा।

अतएव, अब के भारत सरकार गृह मंत्रालय की अधिसूचना संख्या एस० ओ० 1285, दिनांक 04 मई, 1963 के साथ पठित शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 (अधिनियम संख्या 19, सन् 1923) की धारा 2 के खण्ड (8) के उप खण्ड (घ) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल नीचे दी गई अनुसूची में नामित और सविस्तार वर्णित भू-गृहादि को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिये एक "प्रतिषिद्ध स्थान" घोषित करती हैं और यह निदेश देती हैं कि इस अधिसूचना की एक प्रति अंग्रेजी में और उस स्थान की जन भाषा में उक्त भू-गृहादि पर लगाई जायेगी।



## अनुसूची

प्रतिषिद्ध स्थान का नाम और विनिर्दिष्टियां

एस० वी० स्टेशन, अजनौठी/छाता-प्रथम, तहसील-छाता, जिला-मथुरा, उत्तर प्रदेश

पूर्व में-	गाटा संख्या 531/1 रामशरन (कृषि कार्य हो रहा है)
पश्चिम में-	गाटा संख्या 1034 का शेष भाग, मुकेश कुमार आदि का खेत (कृषि कार्य हो रहा है)
उत्तर में-	छाता-तरौली मार्ग।
दक्षिण में-	गाटा संख्या 153/1 रामशरन व छाता-प्रथम का गाटा संख्या 1034 का शेष भाग (दोनों गाटाओं में कृषि कार्य हो रहा है)

आज्ञा से,  
संजय प्रसाद,  
प्रमुख सचिव।

The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 1121/2023-CX-3, dated August 17, 2023 for general information.

## NOTIFICATION

August 17, 2023

**No. 1121/2023-CX-3**—WHEREAS the premises named, detailed and described in the Schedule given below is a place used for Gas Supply to Consumers in Different Parts of Country by Gail Pipeline Network under Ministry of Petroleum and Natural Gas Government of India.

AND WHEREAS an information with respect thereto, of the destruction or obstruction thereof, or interference therewith, would be useful to an enemy.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers under sub-clause (d) of clause (8) of section 2 of the Official Secrets Act, 1923 (Act no. XIX of 1923), read with Government of India, Ministry of Home Affairs Notification No. S.O. 1285 dated May 4, 1963, the Governor is pleased to declare the premises named, detailed and described in the Schedule given below to be a "Prohibited Place" for the purposes of the said Act and to direct that a copy of this notification in English and in the vernacular of the locality be affixed to the said premises.

## Schedule

Name and specifications of the prohibited place	
S.V. Station, Ajnauthi/Chhata-First, Tehsil-Chhata, District-Mathura, Uttar Pradesh.	
In East-	Gata no. 531/1 Ram Sharan (Agriculture Work).
In West-	The Remaining Part of Gata No. 1034 (Agriculture Work). Khet Mukesh Kumar etc.
In North-	Chhata-Taroli Road.
In South-	Gata no. 531/1 Ram Sharan and the Remaining Part of Gata No. 1034 of Chhata-First (Agriculture Work in both Gatas).

By order,  
SANJAY PRASAD,  
Principal Secretary.

**वित्त (लेखा परीक्षा) विभाग**

अनुभाग-2

सेवानिवृत्ति

09 जनवरी, 2023 ई०

सं० 10-4099/111/2021-4—स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ० प्र०, प्रयागराज के निम्नलिखित अधिकारी 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु प्राप्त करने के फलस्वरूप उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-4 में उल्लिखित तिथि के अपरान्ह में वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-2, भाग-2 से 4 के मूल नियम-56(क) की व्यवस्था के अन्तर्गत सेवानिवृत्त हो जायेंगे—

क्रमांक	अधिकारी का नाम/पदनाम	जन्मतिथि	सेवानिवृत्त की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री—			
1	अजय कुमार सिंह, निदेशक, प्रयागराज	09.07.1963	31.07.2023
2	प्रवीण कुमार जैन, उप निदेशक, मुरादाबाद मण्डल	26.01.1963	31.01.2023
3	अरुण कुमार दीक्षित, उप निदेशक, फैजाबाद मण्डल	17.02.1963	28.02.2023

श्रीमती कमला रौतेला, प्रशासनिक अधिकारी की सेवानिवृत्ति के सम्बन्ध में आदेश निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ०प्र०, प्रयागराज के स्तर से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,  
हरिश्चन्द्र,  
विशेष सचिव।

30 मार्च, 2023 ई०

सं० 10-4099/111/2021-4—स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ०प्र०, प्रयागराज के निम्नलिखित अधिकारी 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु प्राप्त करने के फलस्वरूप उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-4 में उल्लिखित दिनांक के अपरान्ह में वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-2 भाग-2 से 4 के मूल नियम-56 (क) के अन्तर्गत सेवानिवृत्त हो जायेंगे—

क्रमांक	अधिकारी का नाम/पदनाम	जन्मतिथि	सेवानिवृत्त की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री—			
1	राम रतन सिंह, जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, कार्यालय वाराणसी	15.03.1963	31.03.2023
2	उमेश कुमार द्विवेदी, जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, झांसी मण्डल	05.04.1963	30.04.2023

**पदोन्नति**

14 जून, 2023 ई०

सं० 10-25099/1265/2021-4—श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश स्थानीय निधि लेखा परीक्षा सेवा संवर्ग में जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, श्री विनय कुमार पाण्डेय जो सम्प्रति चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में लेखाधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर तैनात हैं, को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उप निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के पद (वेतनमान रु० 67,700 से 2,08,700 ग्रेड पे 6,600, वेतन मैट्रिक्स लेवल-11) पर पदोन्नति प्रदान किये जाने की स्वीकृत प्रदान करती हैं।

2—श्री विनय कुमार पाण्डेय वर्तमान तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करते हुए कार्यभार प्रमाणक शासन को उपलब्ध करायेंगे।

3—श्री विनय कुमार पाण्डेय की तैनाती के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

सं० 10-25099/1265/2021-4—श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश स्थानीय निधि लेखा परीक्षा सेवा संवर्ग में जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, सम्मल के पद पर कार्यरत श्रीमती कामना देवल को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उप निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के पद (वेतनमान रु० 67,700 से 2,08,700 ग्रेड पे 6,600, वेतन मैट्रिक्स लेवल-11) पर पदोन्नति प्रदान किये जाने की स्वीकृत प्रदान करती हैं।

2—श्रीमती कामना देवल वर्तमान तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करते हुए कार्यभार प्रमाणक शासन को उपलब्ध करायेंगी।

3—श्रीमती कामना देवल की तैनाती के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

सं० 10-25099/1265/2021-4—श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश स्थानीय निधि लेखा परीक्षा सेवा संवर्ग में सहायक निदेशक, मुख्यालय, प्रयागराज के पद पर कार्यरत श्री हरिमंगल सरोज को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उप निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग के पद (वेतनमान रु० 67,700 से 2,08,700 ग्रेड पे 6,600, वेतन मैट्रिक्स लेवल-11) पर पदोन्नति प्रदान किये जाने की स्वीकृत प्रदान करती हैं।

2—श्री हरिमंगल सरोज वर्तमान तैनाती के स्थान पर कार्यभार ग्रहण करते हुए कार्यभार प्रमाणक शासन को उपलब्ध करायेंगे।

3—श्री हरिमंगल सरोज की तैनाती के आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,  
पूर्ण देव उपाध्याय,  
विशेष सचिव।

**संस्कृति विभाग**

अधिसूचना

14 जुलाई, 2023 ई०

सं० 2057/चार-2023—उत्तर प्रदेश प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थानों और अवशेषों का परिरक्षण अधिनियम, 1956 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-7, 1957) के अधीन उत्तर प्रदेश में प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थानों और अवशेषों पर यथा प्रयोज्य एन्शियमेंट मान्युमेन्ट्स प्रिजर्वेशन एक्ट 1904 (अधिनियम संख्या-7, 1904) की धारा-3 की उपधारा(1) के अधीन प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके, श्री राज्यपाल नीचे अनुसूची में वर्णित प्राचीन स्मारकों/स्थानों को संरक्षित स्मारक घोषित करने की अधिसूचना जारी करते हैं—

## अनुसूची

क्र० सं०	राज्य	जिला	तहसील और ग्राम	स्मारक /स्थान का नाम	संरक्षण के अधीन लिये जाने वाली राजस्व गाटा सं०	क्षेत्रफल	सीमाएं
1	2	3	4	5	6	7	8
						हेक्टेयर	
1	उत्तर प्रदेश	फिरोजाबाद	चन्द्रवार तहसील फिरोजाबाद	चन्द्रवाड़ का किला	1653	0.219 हे० में से 0.115 हे० भूमि पर किला स्थित है	उत्तर-वन विभाग एवं गाटा संख्या 1653 पूर्व-वन विभाग एवं मार्ग दक्षिण-वन विभाग पश्चिम-वन विभाग

## सूचना

उल्लिखित अधिसूचना जारी किये जाने के सम्बन्ध में आपत्तियाँ, यदि कोई हों, प्रमुख सचिव, उ०प्र० शासन, संस्कृति विभाग, बापू भवन, उ०प्र० सचिवालय, लखनऊ, निदेशक, उ०प्र० राज्य पुरातत्व विभाग, छतर मंजिल परिसर, कैसरबाग, लखनऊ अथवा जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को सम्बोधित करते हुए लिखित रूप में भेजी जा सकती है। केवल उन्हीं आपत्तियों पर विचार किया जायेगा, जो इस अधिसूचना के स्मारक पर चस्पा होने के दिनांक से एक माह के भीतर प्राप्त होंगी।

आज्ञा से,  
अमरनाथ उपाध्याय,  
विशेष सचिव।

## SANSKRITI ANUBHAG

The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 2057/Four-2023 Dated July 14, 2023 for general Information.

## NOTIFICATION

July 14, 2023

**No. 2057/Four-2023**--In exercise of the powers under sub-section (1) of section 3 of the Ancient Monuments Preservation Act, 1904 (Act no.VII of 1904), as re-enacted by section 3 of the U.P. Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Preservation Act, 1956, (U.P. Act no. VII of 1957), The Governor is pleased to propose to declare the ancient moments described in the Schedule below to be the protected monuments within the meaning the said Act. no. VII of 1904.

**Schedule**

Sl. No	State	District	Tehsil and Village	Name of the Monument sites	Revenue Plots to be taken under protection	Area	Boundaries
1	2	3	4	5	6	7	8
						Acre/Hectare	
1	Uttar Pradesh	Firozabad	Chandra var, Tehsil-Firozabad	Chandrawad Ka Kila	1653	The fort is situated on 0.115 Hectares of Land out of 0.219 Hectares	<b>North-Forest Land</b> Revenue Plot No. 1653. <b>East-Forest Land</b> and Road. <b>West-Forest Land.</b> <b>South-Forest Land.</b>

**INTIMATION**

Objection, if any, to the issue of this notification may be sent in writing and shall be addressed to the Principal Secretary, Uttar Pradesh Shashan, Sanskriti Anubhag, Lucknow/Director U.P. State Archaeology Department Kaiserbagh Lucknow or District Magistrate, Firozabad within one month from the date of the pasting of this notification on the monument.

By order,  
AMARNATH UPADHYAY,  
*Special Secretary.*

अधिसूचना

14 जुलाई, 2023 ई०

सं० 2058/चार-2023—उत्तर प्रदेश प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थानों और अवशेषों का परिरक्षण अधिनियम, 1956 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-7, 1957) के अधीन उत्तर प्रदेश में प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्मारकों तथा पुरातत्वीय स्थानों और अवशेषों पर यथा प्रयोज्य एन्शियेन्ट मान्यूमेन्ट्स प्रिजर्वेशन एक्ट 1904 (अधिनियम संख्या-7, 1904) की धारा-3 की उपधारा(1) के अधीन प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके, श्री राज्यपाल नीचे अनुसूची में वर्णित प्राचीन स्मारकों/स्थानों को संरक्षित स्मारक घोषित करने की अधिसूचना जारी करते हैं—

## अनुसूची

क्र० सं०	राज्य	जिला	तहसील और ग्राम	स्मारक / स्थान का नाम	संरक्षण के अधीन लिये जाने वाली राजस्व गाटा सं०	क्षेत्रफल	सीमाएं
1	2	3	4	5	6	7	8
						एकड़ / हेक्टेयर	
1	उत्तर प्रदेश	चित्रकूट	तहसील मऊ	दशरथ घाट	859	40.049 (पहाड़)	उत्तर—गाटा सं० 856 (बंजर) पूर्व—गाटा सं० 827 एवं 845 (बंजर) दक्षिण—सीमा ग्राम देवरा पश्चिम—सीमा ग्राम लौरी
2	“	“	ग्राम ईटहा देवीपुर तहसील मऊ	ईटहा देवीपुर मन्दिर	228 / 1	0.114	उत्तर—गाटा सं० 227 एवं 230 पूर्व—गाटा सं० 229 एवं 230 दक्षिण—नहर पश्चिम—गाटा सं० 194, 195 एवं 196

## सूचना

उल्लिखित अधिसूचना जारी किये जाने के सम्बन्ध में आपत्तियाँ, यदि कोई हों, प्रमुख सचिव, उ०प्र० शासन, संस्कृति विभाग, बापू भवन, उ०प्र० सचिवालय, लखनऊ, निदेशक, उ०प्र० राज्य पुरातत्व विभाग, छतर मंजिल परिसर, कैसरबाग, लखनऊ अथवा जिलाधिकारी, चित्रकूट को सम्बोधित करते हुए लिखित रूप में भेजी जा सकती है। केवल उन्हीं आपत्तियों पर विचार किया जायेगा, जो इस अधिसूचना के स्मारक पर चस्पा होने के दिनांक से एक माह के भीतर प्राप्त होंगी।

आज्ञा से,  
अमरनाथ उपाध्याय,  
विशेष सचिव।

The Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 2058/Four-2023 Dated July 14, 2023 for general Information.

## NOTIFICATION

July 14, 2023

**No. 2058/Four-2023**—In exercise of the powers under sub-section (1) of section 3 of the Ancient Monuments Preservation Act, 1904 (Act no.VII of 1904), as re-enacted by section 3 of the U.P. Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Preservation Act, 1956, (U.P. Act no.VII of 1957), The Governor is pleased to propose to declare the ancient moments described in the Schedule below to be the protected monuments within the meaning the said act. no. VII of 1904.

## Schedule

SI. No	State	District	Tehsil and Village	Name of the Monument sites	Revenue Plots to be taken under protection	Area	Boundaries
1	2	3	4	5	6	7	8
						Acre/ Hectare	
1	Uttar Pradesh	Chitrakoot	Tehsil-Mau	Dashrath Ghat	859	40.049	<b>North</b> -Revenue Plot No. 856 (Barren Land) <b>East</b> -Revenue Plot No. 827 and 845 <b>West</b> -Border of Village-Lauri <b>South</b> - Border of Village-Devra
2	Uttar Pradesh	Chitrakoot	Village-Etaha Devipur, Tehsil-Mau	Etaha Devipur Temple	228/1	0.114	<b>North</b> -Revenue Plot No. 227 and 230 <b>East</b> -Revenue Plot No. 229 and 230 <b>West</b> -Revenue Plot No. 194, 195 and 196 <b>South</b> -Canal

## INTIMATION

Objection, if any, to the issue of this notification may be sent in writing and shall be addressed to the Principal Secretary, Uttar Pradesh Shashan, Sanskriti Anubhag, Lucknow/Director U.P. State Archaeology Department Kaiserbagh Lucknow or District Magistrate, Chitrakoot within one month from the date of the pasting of this notification on the monument.

By order,  
AMARNATH UPADHYAY,  
*Special Secretary.*

## खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग

नियुक्ति

22 मार्च, 2023 ई०

सं० 21/2023/486/अट्टासी-23-97औ०/2011-औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (अधिनियम संख्या 23 सन् 1940) की धारा 21 की उपधारा (1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल नीचे सारणी में उल्लिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-3 में उल्लिखित दिनांक से पूर्वोक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश के लिए 'निरीक्षक' नियुक्त करती हैं—

क्रम संख्या	औषधि निरीक्षक का नाम	नियुक्ति का दिनांक
1	2	3
1	प्रीति सिंह	25.04.2022
2	सन्तोष कुमार पटेल	24.06.2022
3	मुकेश कुमार	17.11.2022

आज्ञा से,  
अनीता सिंह,  
प्रमुख सचिव।

### **KHADYA SURAKSHA EVAM AUSHADHI PRASHASAN ANUBHAG**

The Governor is pleased to order the publication of following English translation of Notification no. 21/2023/486/88-23-97AU./ 2011 dated March 22, 2023 for general information:

#### **NOTIFICATION**

*March 22, 2023*

**No. 21/2023/486/88-23-97AU./2011**—In exercise of the powers under sub-section (1) of Section 21 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (Act No. 23 of 1940), the Governor is pleased to appoint the persons mentioned in the table below with effect from the date mentioned in column-3 against their names as 'Inspectors' for the whole of Uttar Pradesh for the purposes of the aforesaid Act-

Sl. No.	Name of Drug Inspector	Appointment Date
1	2	3
1	Preeti Singh	25-11-2022
2	Santosh Kumar Patel	24-06-2022
3	Mukesh Kumar	17-11-2022

By order,  
ANITA SINGH,  
*Principal Secretary.*

पी०एस०यू०पी०-26 हिन्दी गजट-भाग 1-2023 ई०।

मुद्रक एवं प्रकाशक-निदेशक, मुद्रण एवं लेखन-सामग्री, उ०प्र०, प्रयागराज।





# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 23 सितम्बर, 2023 ई० (आश्विन 01, 1945 शक संवत्)

### भाग 1-क

नियम, कार्य विधियां, आज्ञायें, विज्ञप्तियां इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया।

### जनपद न्यायाधीश, उन्नाव।

कार्यभार-मुक्त प्रमाण-पत्र

06 मई, 2021 ई०

सं० 1366/I-41-2021—प्रमाणित किया जाता है कि मेरे द्वारा न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट सं०—07 उन्नाव का पद भार माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की विज्ञप्ति सं० 1483/प्रशासन (सर्विसेज)/2021 दिनांक 05 मई, 2021 के परिपेक्ष्य में आज दिनांक 06 मई, 2021 की अपराह्न में कार्यभार छोड़ा गया।

कार्यभार मुक्त अधिकारी

(प्रदीप कुमार-III),

ID No. UP1591

कार्यभार-ग्रहण प्रमाण-पत्र

26 मई, 2021 ई०

सं० 1507/I-43-21—प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 16 अप्रैल, 2021 से 24 मई, 2021 तक कुल 39 दिन का अर्जित अवकाश उपभोग करने के उपरान्त आज दिनांक 25 मई, 2021 की पूर्वान्ह में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव के पद पर कार्यभार ग्रहण किया गया।

ग्रहण अधिकारी

(रघुवंश मणि सिंह),

आई०डी०नं०-यू०पी० 1996

सं० 1521/I-44-21—प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 16 अप्रैल, 2021 से 24 मई, 2021 तक कुल 39 दिन का बाल्य देखभाल अवकाश उपभोग करने के उपरान्त आज दिनांक 25 मई, 2021 की पूर्वान्ह में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोर्ट सं० 1 के पद पर कार्यभार ग्रहण किया गया।

ग्रहण अधिकारी

(कविता अग्रवाल),

आई०डी०नं०-यू०पी० 1937

कार्यभार-छोड़ने सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

28 मई, 2021 ई०

सं० 1543/प्रथम-122-19/उन्नाव—प्रमाणित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय के विज्ञप्ति सं० 179/प्रशासन (सेवायें)/2021 दिनांकित 09 अप्रैल, 2021 तथा परिपत्र सं० 27/डी०आर०एस०/2000 दिनांकित 21 जून, 2000 तथा परिपत्र सं० 02/प्रशासन (सेवायें)/2019 दिनांकित 17 जनवरी, 2019 तथा परिपत्र सं० 03/प्रशासन (सेवायें)/2020 दिनांकित 03 मार्च, 2020 के अनुपालन में एवं माननीय जनपद न्यायाधीश, उन्नाव के आदेश सं०-61/2021 दिनांकित 12 अप्रैल, 2021 के अनुक्रम में आज दिनांक 12 अप्रैल, 2021 को मेरे द्वारा पूर्वाहन में न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट सं०-05 (उत्तर प्रदेश गिरोह बन्द अधिनियम) जनपद उन्नाव का पदभार छोड़ा गया।

मोचित अधिकारी

(आलोक शर्मा),

आई०डी०नं०-यू०पी० 1751

कार्यभार-ग्रहण सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

सं० 1556/प्रथम-122-19/उन्नाव—प्रमाणित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय के विज्ञप्ति सं० 179/प्रशासन (सेवायें)/2021 दिनांकित 09 अप्रैल, 2021 तथा परिपत्र सं० 27/डी०आर०एस०/2000 दिनांकित 21 जून, 2000 तथा परिपत्र सं० 02/प्रशासन (सेवायें)/2019 दिनांकित 17 जनवरी, 2019 तथा परिपत्र सं० 03/प्रशासन (सेवायें)/2020 दिनांकित 03 मार्च, 2020 के अनुपालन में एवं माननीय जनपद न्यायाधीश, उन्नाव के आदेश सं०-61/2021 दिनांकित 12 अप्रैल, 2021 के अनुक्रम में आज दिनांक 12 अप्रैल, 2021 को मेरे द्वारा पूर्वाहन में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट सं०-6 जनपद उन्नाव का पदभार ग्रहण किया गया।

कार्य ग्रहण अधिकारी

(आलोक शर्मा),

आई०डी०नं०-यू०पी० 1751

कार्यभार-ग्रहण प्रमाण-पत्र

31 मई, 2021 ई०

सं० 1574/प्रथम-46-21/उन्नाव—प्रमाणित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय की विज्ञप्ति सं० 1519/एडमिन (सर्विसेज)/2021 दिनांकित 24 मई, 2021 व माननीय जनपद न्यायाधीश उन्नाव के आदेश दिनांक 25 मई, 2021 के अनुपालन में मेरे द्वारा आज न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट सं०-7 के पद का पदभार आज दिनांक 31 मई 2021 को पूर्वान्ह में ग्रहण किया गया।

कार्य भार ग्रहण अधिकारी

(सन्दीप गुप्ता),

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश,

कोर्ट सं०-7, उन्नाव,

आई०डी०नं०-यू०पी० 6179

## कार्यभार-ग्रहण सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

28 जुलाई, 2021 ई०

सं० 2052/I-47-21—प्रमाणित किया जाता है कि न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट सं०-7 उन्नाव का कार्य भार दिनांक 28 जनवरी, 2021 से 26 जुलाई, 2021 तक मातृत्व अवकाश का उपभोग करने के उपरान्त आज दिनांक 27 जुलाई, 2021 की पूर्वाह्न में मेरे द्वारा ग्रहण किया गया।

मोचक अधिकारी

(श्रीमती अल्पना शुक्ला),

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश,

कोर्ट सं०-7, उन्नाव,

आई०डी०नं०-यू०पी० 6236

## कार्यभार-मुक्त सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

सं० 2065/I-47-21—प्रमाणित किया जाता है कि न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट सं०-7 उन्नाव का कार्य भार दिनांक 28 जुलाई, 2021 से 10 सितम्बर, 2021 तक दिनांक 11 सितम्बर, 2021 व 12 सितम्बर, 2021 को सफिक्स करते हुये, बाल्य देखभाल अवकाश प्रार्थना-पत्र माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा स्वीकृत किये जाने की प्रत्याशा में आज दिनांक 28 जुलाई, 2021 को पूर्वाह्न में मेरे द्वारा छोड़ा गया।

मुक्त अधिकारी

(श्रीमती अल्पना शुक्ला),

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश,

कोर्ट सं०-7, उन्नाव,

आई०डी०नं०-यू०पी० 6236

## कार्य-भार मुक्त प्रमाण-पत्र

13 अगस्त, 2021 ई०

सं० 2080/I-44-21—प्रमाणित किया जाता है कि न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कक्ष सं०-1, उन्नाव का पदभार, अर्जित अवकाश दिनांक 26 मई, 2021 से 04 जून, 2021 कुल 10 दिन का उपभोग करने हेतु माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की स्वीकृति की प्रत्याशा में दिनांक 26 मई, 2021 की पूर्वान्ह में मेरे द्वारा छोड़ा गया।

मुक्त अधिकारी

कविता अग्रवाल,

अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,

कक्ष सं०-1, उन्नाव,

I.D. No. 1937

## कार्य-भार ग्रहण प्रमाण-पत्र

सं० 2105/I-44-21—प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 26 मई, 2021 से 04 जून, 2021 तक कुल 10 दिन का अर्जित अवकाश एवं दिनांक 05 जून, 2021 व 06 जून, 2021 को सफिक्स करते हुए उपभोग करने के उपरान्त दिनांक 07 जून, 2021 की पूर्वान्ह में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोर्ट सं० 1 के पद पर कार्यभार ग्रहण किया गया।

ग्रहण अधिकारी

कविता अग्रवाल,

आई०डी०नं०-यू०पी० 1937

## कार्य-भार ग्रहण प्रमाण-पत्र

सं0 2121/I-156-19—प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 03 जुलाई, 2021 व 04 जुलाई, 2021 को प्रफिक्स करते हुये दिनांक 05 जुलाई, 2021 से 12 अगस्त, 2021 तक अर्जित अवकाश प्रार्थना-पत्र स्वीकृत किये जाने की प्रत्याशा में अर्जित अवकाश उपभोग करने के उपरान्त आज दिनांक 13 अगस्त, 2021 की पूर्वान्ह में मेरे द्वारा अपर सिविल जज जू0डि0 कोर्ट सं0-02, उन्नाव का कार्य-भार ग्रहण किया गया।

कार्य-भार ग्रहण अधिकारी

अनुभव सिंह,

ID No. UP-3260

## कार्य-भार ग्रहण प्रमाण-पत्र

सं0 2135/I-45-21—प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 03 जुलाई, 2021 व 04 जुलाई, 2021 को प्रफिक्स करते हुये दिनांक 05 जुलाई, 2021 से 12 अगस्त, 2021 तक अर्जित अवकाश प्रार्थना-पत्र स्वीकृत किये जाने की प्रत्याशा में अर्जित अवकाश उपभोग करने के उपरान्त आज दिनांक 13 अगस्त, 2021 की पूर्वान्ह में मेरे द्वारा अपर सिविल जज जू0डि0 कोर्ट सं0-04, उन्नाव का कार्य-भार ग्रहण किया गया।

कार्य-भार ग्रहण अधिकारी

शिखा सिंह,

ID No. UP3398

## कार्य-भार मुक्त प्रमाण-पत्र

सं0 2148/I-47-21—प्रमाणित किया जाता है कि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव का पदभार, अर्जित अवकाश दिनांक 26 मई, 2021 से 04 जून, 2021 कुल 10 दिन का उपभोग करने हेतु माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की स्वीकृति की प्रत्याशा में दिनांक 26 मई, 2021 की पूर्वान्ह में मेरे द्वारा छोड़ा गया।

मुक्त अधिकारी

रघुवंश मणि सिंह,

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव

ID No. 1996

## कार्य-भार ग्रहण प्रमाण-पत्र

सं0 2162/I-47-21—प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 26 मई, 2021 से 04 जून, 2021 कुल तक 10 दिन का अर्जित अवकाश एवं दिनांक 05 जून, 2021 व 06 जून, 2021 को सफिक्स करते हुए उपभोग करने के उपरान्त दिनांक 07 जून, 2021 की पूर्वान्ह में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव के पद पर कार्य-भार ग्रहण किया गया।

ग्रहण अधिकारी

रघुवंश मणि सिंह,

आई0डी0नं0-यू0पी0 1996

## कार्य-भार अवमुक्त सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

सं0 2077/I-158-19—प्रमाणित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की विज्ञप्ति संख्या 1916/एडमिन. (सर्विसेज)/2021 दिनांकित 11 अगस्त, 2021 के अनुपालन में आज दिनांक 12 अगस्त, 2021 को अपरान्ह में मेरे द्वारा सिविल जज (जू0डि0) उत्तरी, उन्नाव का कार्य-भार छोड़ा गया।

कार्यमुक्त अधिकारी

भुवन,

आई0डी0नं0-यू0पी0 3253

## कार्य-भार छोड़ने सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

सं0 2178/I-159-19—प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 14 अगस्त, 2021 व 15 अगस्त, 2021 को प्रफिक्स करते हुए दिनांक 16 अगस्त, 2021 से 25 अगस्त, 2021 तक का अर्जित अवकाश प्रार्थना-पत्र स्वीकृत किये जाने की प्रत्याशा में अर्जित अवकाश उपभोग करने हेतु आज दिनांक 13 अगस्त, 2021 को अपराह्न में मेरे द्वारा सिविल जज (जू0डि0), एफ0टी0सी0 उन्नाव का कार्य भार छोड़ा गया।

कार्य मुक्त अधिकारी

सोनम शर्मा,  
सिविल जज (जू0 डि0),  
एफ0टी0सी0, उन्नाव।  
आई0डी0नं0-यू0पी0 3540

## कार्य-भार मुक्त सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

सं0 2181/I-157-19—प्रमाणित किया जाता है कि न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट उन्नाव का पदभार माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की विज्ञप्ति संख्या 1914/एडमिन (सर्विसेज)/2021 दिनांकित 11 अगस्त, 2021 के अनुपालन में आज दिनांक 12 अगस्त, 2021 को अपराह्न में मेरे द्वारा छोड़ा गया।

मुक्त अधिकारी

सौरभ शुक्ला,  
आई0डी0नं0-यू0पी0 3218

## कार्य-भार ग्रहण सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

सं0 2204/I-157-19—प्रमाणित किया जाता है कि न्यायालय सिविल जज (जू0डि0)/न्यायिक मजिस्ट्रेट, पुरवा उन्नाव का पदभार माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की विज्ञप्ति संख्या 1914/एडमिन (सर्विसेज)/2021 दिनांकित 11 अगस्त, 2021 के अनुपालन में आज दिनांक 13 अगस्त, 2021 को पूर्वाह्न में मेरे द्वारा ग्रहण किया गया।

मोचक अधिकारी

सौरभ शुक्ला,  
आई0डी0नं0-यू0पी0 3218

## कार्य-भार अवमुक्त सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

सं0 2217/I-161-19—प्रमाणित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की विज्ञप्ति संख्या 1915/एडमिन. (सर्विसेज)/2021 दिनांकित 11 अगस्त, 2021 के अनुपालन में आज दिनांक 12 अगस्त, 2021 को अपराह्न में मेरे द्वारा सिविल जज (जू0डि0) कोर्ट सं0 3, उन्नाव का कार्यभार छोड़ा गया।

कार्यमुक्त अधिकारी

साक्षी मिश्रा,  
आई0डी0नं0-यू0पी0 3393

## कार्य-भार ग्रहण प्रमाण-पत्र

सं0 2230/I-161-19—प्रमाणित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की विज्ञप्ति संख्या 1915/एडमिन. (सर्विसेज)/2021 दिनांकित 11 अगस्त, 2021 के अनुपालन में आज दिनांक 12 अगस्त, 2021 को अपराह्न में मेरे द्वारा सिविल जज (जू0डि0), उत्तरी उन्नाव का कार्यभार ग्रहण किया गया।

ग्रहण अधिकारी

साक्षी मिश्रा,  
आई0डी0नं0-यू0पी0 3393

## कार्यभार-मुक्त प्रमाण-पत्र

सं० 2243/I-156-19—प्रमाणित किया जाता है कि मेरे द्वारा न्यायालय अपर सिविल जज जू०डि० कोर्ट सं०—02, उन्नाव का पद भार माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की विज्ञप्ति सं० 1913/प्रशासन (सर्विसेस)/2021 दिनांकित 11 अगस्त, 2021 के परिपेक्ष्य में आज दिनांक 13 अगस्त, 2021 की अपरान्ह में कार्यभार छोड़ा गया।

कार्यभार ग्रहण अधिकारी

अनुभव सिंह,

ID No. UP3260

## कार्य-भार ग्रहण प्रमाण-पत्र

सं० 2256/I-156-19—प्रमाणित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की विज्ञप्ति संख्या 1913/प्रशासन (सेवायें)/2021 दिनांकित 11 अगस्त, 2021 के अनुपालन में मेरे द्वारा आज दिनांक 13 अगस्त, 2021 की अपरान्ह में न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट, उन्नाव का पद भार ग्रहण किया गया।

कार्यभार ग्रहण अधिकारी

अनुभव सिंह,

ID No. UP3260

## कार्य-भार ग्रहण प्रमाण-पत्र

सं० 2269/I-158-19—प्रमाणित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की विज्ञप्ति संख्या 1916/एडमिन.(सर्विसेज)/2021 दिनांकित 11 अगस्त, 2021 के अनुपालन में आज दिनांक 13 अगस्त, 2021 की पूर्वान्ह में मेरे द्वारा सिविल जज (जू०डि०), सफीपुर उन्नाव का कार्यभार ग्रहण किया गया।

ग्रहण अधिकारी

भुवन,

आई०डी०नं०-यू०पी० 3253

## कार्यभार-मुक्ति प्रमाण-पत्र

18 अगस्त, 2021 ई०

सं० 2328/I-40-20—प्रमाणित किया जाता है कि न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, द्वितीय का कार्यभार दिनांक 18 अगस्त, 2021 से दिनांक 09 सितम्बर, 2021 तक अर्जित अवकाश के उपभोग हेतु माननीय उच्च न्यायालय से अवकाश स्वीकृति की प्रत्याशा में दिनांक 17 अगस्त, 2021 को अपरान्ह में छोड़ा गया।

मुक्त अधिकारी

संजय सिंह,

आई०डी०नं०-UP2140

## कार्य-भार छोड़ने सम्बंधी प्रमाण-पत्र

12 जनवरी, 2022 ई०

सं० 167/प्रथम-47-21/उन्नाव—प्रमाणित किया जाता है कि माननीय जनपद, न्यायाधीश, उन्नाव के आदेश सं०-07/2022 सपठित आदेश सं० 08/2022 दिनांकित 11 जनवरी, 2022 के अनुक्रम में आज दिनांक 12 जनवरी, 2022 को मेरे द्वारा अपराहन में न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट सं०-07, जनपद उन्नाव का पदभार छोड़ा गया।

मोचित अधिकारी

अल्पना शुक्ला,

आई०डी०नं०-यू०पी० 6236

## कार्य-भार ग्रहण सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

सं0 180/प्रथम-47-21/उन्नाव-प्रमाणित किया जाता है कि माननीय जनपद, न्यायाधीश, उन्नाव के आदेश सं0-07/2022 सपठित आदेश सं0 08/2022 दिनांकित 11 जनवरी, 2022 के अनुक्रम में आज दिनांक 12 जनवरी, 2022 को मेरे द्वारा अपराहन में न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट सं0-05, जनपद उन्नाव का पदभार ग्रहण किया गया।

कार्य ग्रहण अधिकारी

अल्पना शुक्ला,

आई0डी0नं0-यू0पी0 6236

## कार्य-भार अवमुक्ति प्रमाण-पत्र

24 अगस्त, 2022 ई0

सं0 2522/I-44-21-प्रमाणित किया जाता है कि न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोर्ट सं0 01, जनपद-उन्नाव का पदभार बाल देख-रेख अवकाश दिनांक 25 अगस्त, 2022 से 08 सितम्बर, 2022 का उपभोग करने हेतु माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद की स्वीकृति की प्रत्याशा हेतु आज दिनांक 24 अगस्त, 2022 को अपरान्ह में छोड़ा गया।

मुक्त अधिकारी

कविता अग्रवाल,

अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,

कोर्ट सं0 01, उन्नाव।

जे0 ओ0 कोड 1937

## कार्य-भार छोड़ने सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

01 सितम्बर, 2022 ई0

सं0 2630/प्रथम-37-2021-प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 25 अगस्त, 2022 से 31 अगस्त, 2022 तक कुल 7 दिन का अर्जित अवकाश स्वीकृत की प्रत्याशा में दिनांक 25 अगस्त, 2022 की पूर्वान्ह में न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट सं0-3, उन्नाव के पद का कार्यभार छोड़ा गया।

कार्यमुक्त अधिकारी

राजीव मुकुल पाण्डेय,

ID No. UP2203

## कार्य-भार ग्रहण सम्बन्धी प्रमाण-पत्र

सं0 2644/प्रथम-37-2021-प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 25 अगस्त, 2022 से 31 अगस्त, 2022 तक कुल 7 दिन का अर्जित अवकाश उपभोग करने के उपरान्त आज दिनांक 01 सितम्बर, 2022 की पूर्वान्ह में न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट सं0-3, उन्नाव के पद का कार्यभार ग्रहण किया गया।

ग्रहण अधिकारी

राजीव मुकुल पाण्डेय,

ID No. UP2203

**जनता के प्रयोजनार्थ, भूमि नियोजन की विज्ञप्तियां**  
**सिंचाई एवं जलसंसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश**  
**समुचित सरकार/कलेक्टर द्वारा घोषणा**  
**(अधिनियम की धारा-19 की उपधारा (1) के अन्तर्गत)**

06 जुलाई, 2023 ई०

सं० 7994/आठ-वि०भू०अ०अ०/सिद्धार्थनगर/2023-24-अधिशाली अभियन्ता, राप्ती नहर, निर्माण खण्ड-2, शोहरतगढ़ मुख्यालय बढ़नी सिद्धार्थनगर के द्वारा अपेक्षित सार्वजनिक प्रयोजन यथा सरयू नहर परियोजना के अन्तर्गत निकलने वाली अल्पिकाओं में खैरी माइनर, तालकुण्डा माइनर व पकडिहवा माइनर के गैप की भूमि को पूर्ण करने हेतु जनपद-सिद्धार्थनगर में ग्राम-औरहवा क्षेत्रफल 0.2275 हे०, महादेव बुजुर्ग क्षेत्रफल 0.1613, मानपुर क्षेत्रफल 0.0759 हे०, तालकुण्डा क्षेत्रफल 0.1724 हे० गजेहडी उर्फ मधवानगर क्षेत्रफल 0.0902 हे०, रमवापुर क्षेत्रफल 0.0132 हे० व पकडिहवा क्षेत्रफल 0.0528 हे० परगना-नौगढ़, तहसील-शोहरतगढ़ कुल क्षेत्रफल 0.7933 हे० भूमि के सम्बन्ध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत जो प्रारम्भिक अधिसूचना संख्या-7391/आठ-वि०भू०अ०अ०/सि० नगर/अधि० सू०/2022-23/दिनांक 18 नवम्बर, 2022 को निर्गत की गयी थी तथा अन्तिम रूप से सरकारी गजट, उ०प्र०, प्रयागराज में दिनांक 04 फरवरी 2023 को प्रकाशित किया गया है।

अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (2) के प्राविधानों के अनुपालन में कलेक्टर भूमि अध्यापित प्रयोजनार्थ सिद्धार्थनगर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट दिनांक 18 मार्च, 2023 पर विचारोपरान्त धारा-19(1) के अन्तर्गत राज्यपाल घोषणा करने का निर्देश देते हैं कि उन्हें यह समाधान हो गया है कि अनुसूची "क" में वर्णित भूमि का क्षेत्रफल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु आवश्यक है तथा अनुसूची 'ख' में उल्लिखित जिला-सिद्धार्थनगर, तहसील-शोहरतगढ़, परगना-नौगढ़, ग्राम-औरहवा, महादेव बुजुर्ग, मानपुर, तालकुण्डा, गजेहडी उर्फ मधवानगर, रमवापुर व पकडिहवा की शून्य हे० भूमि को विस्थापित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन हेतु पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

राज्यपाल अग्रेतर निर्देश देते हैं कि अधिनियम की धारा-19 की उपधारा-2 के अधीन इस प्रभाव की घोषणा के प्रकाशन के साथ पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन योजना के सारांश के प्रकाशन की आवश्यकता नहीं है। (राप्ती नहर, निर्माण खण्ड-2, शोहरतगढ़ मुख्यालय बढ़नी सिद्धार्थनगर के द्वारा अपेक्षित सार्वजनिक प्रयोजन यथा सरयू नहर परियोजना के अन्तर्गत निकलने वाली अल्पिकाओं में खैरी माइनर, तालकुण्डा माइनर व पकडिहवा माइनर के गैप की भूमि को पूर्ण करने हेतु प्रस्तावित भूमि से कोई हितबद्ध व्यक्ति विस्थापित नहीं हो रहा है।)

**अनुसूची-क**  
**(प्रस्तावित अर्जन के अन्तर्गत भूमि)**

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	भू-खण्ड सं०	क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
सिद्धार्थनगर	शोहरतगढ़	नौगढ़	औरहवा	140	0.0630
				207	0.1645
			महादेव बुजुर्ग	192	0.1613
			मानपुर	302	0.0759
			तालकुण्डा	1075	0.0448
				1837	0.0448
				1917	0.0130
				1956	0.0096
				1963	0.0250
				1139	0.0352



1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
सिद्धार्थनगर	शोहरतगढ़	नौगढ़	गजेहडी उर्फ मधवानगर	236	0.0902
			रमवापुर	126	0.0132
			पकडिहवा	436	0.0528
			योग . .		<b>0.7933</b>

## अनुसूची-ख

(विस्थापित परिवारों के लिए व्यवस्थापन क्षेत्र के रूप में चिन्हित भूमि)

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	भू-खण्ड सं०	पुनर्वासन हेतु चिन्हित क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
सिद्धार्थनगर	शोहरतगढ़	नौगढ़	औरहवा, महादेव बुजुर्ग, मानपुर, तालकुण्डा, गजेहडी उर्फ मधवानगर, रमवापुर, पकडिहवा	शून्य	शून्य

(सरयू नहर परियोजना के अन्तर्गत निकलने वाली अल्पिकाओं में खैरी माइनर, तालकुण्डा माइनर व पकडिहवा माइनर के गैप की भूमि को पूर्ण करने हेतु जनपद-सिद्धार्थनगर में निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि से कोई हितबद्ध व्यक्ति विस्थापित नहीं हो रहा है।)

**टिप्पणी**—उक्त भूमि का स्थलीय नक्शा कलेक्टर, सिद्धार्थनगर के कार्यालय में देखा जा सकता है।

ह0 (अस्पष्ट),  
जिलाधिकारी,  
सिद्धार्थनगर।

## NOTIFICATION

July 06, 2023

**No. 7994/VIII-S.L.A.O./SDR./Notification/2023-24**—Whereas preliminary notification no. 7391/VIII-S.L.A.O.-SDR./Notification/2022-23 dated November 18, 2022 was issued under sub-section (1) of section 11 of the Right to Fair Compensation and Transparency in Rehabilitation and Resettlement Act, 2013, in respect of 0.2275 Hectares of land in Village-Aurahwa, 0.1613 Hectares of land in Village-Mahadev Bujurg, 0.0759 Hectares of land in Village-Manpur, 0.1724 Hectares of land in Village-Talkunda, 0.0902 Hectares of land in Village-Gajehadi Urf Madhwanagar, 0.0132 Hectares of land in Village-Ramwapur, 0.0528 Hectares of land in Village-Pakdihwa, Pargana-Naugarh, Tehsil-Shoharatgarh, District-Siddharthnagar is required for public purpose, namely project Khairi Miner, Talkunda Miner, Pakdihwa Miner under Saryu Canal Project through Executive Engineer, Rapti Nahar, Nirman Khand-2, Shohratgarh, Mukhyalay Badhani, Siddharthnagar. So and lastly published on dated February 04, 2023 in Government Gazette, of U.P. Prayagraj.

After Considering the report of the Collector submitted in pursuance to provision under sub-section (2) of the section 15 of the Act, the Governor is pleased to declare under section 19(1) of the Act that he is satisfied that the area of the land mentioned in the given schedule "A" is needed for public purpose and the land to the extent of zero hect. in Village-Aurahwa, Mahadev Bujurg, Manpur, Talkunda, Gajehadi Urf Madhwanagar, Ramwapur, Pakdihwa Pargana-Naugarh, Tehsil-Shoharatgarh, District-Siddharthnagar as given in schedule "B" has been identified as the rehabilitation and resettlement area for the purpose of rehabilitation and resettlement of the displaced families.

The Governor is further pleased to declare under sub-section (2) of section 19 of the Act, to direct the Collector of Siddharth Nagar to publish a summary of the Rehabilitation and Resettlement scheme with publication of the declaration to this effect. (No interested person is getting displaced in the acquisition

process of proposed land for public purpose, namely project Khairi Miner, Talkunda Miner, Pakdihwa Miner under Saryu Canal Project through Executive Engineer, Rapti Nahar, Nirman Khand-2, Shohratgarh, Mukhyalay Badhani, Siddharthnagar) :

**SCHEDULE-A**  
**(Land under Proposed Acquisition)**

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area
1	2	3	4	5	6
					<i>Hectares</i>
Siddharthnagar	Shoharatgarh	Naugarh	Aurahwa	140	0.0630
				207	0.1645
			Mahadev Bujurg.	192	0.1613
				Manpur	0.0759
			Talkunda	1075	0.0448
				1837	0.0448
				1917	0.0130
				1956	0.0096
				1963	0.0250
				1139	0.0352
				Gajehadi Urf Madhwanagar.	0.0902
				Ramwapur	0.0132
				Pakdihwa	0.0528
				<b>Total . .</b>	<b>0.7933</b>

**SCHEDULE-B**  
**(Land Identified as settlement Area for Displaced Families)**

District	Tehsil	Pargana	Village	Plot no.	Area to be acquired
1	2	3	4	5	6
					<i>Hectares</i>
Siddharthnagar	Baansi	Baansi Purab	Aurahwa, Mahadev Bujurg, Manpur, Talkunda, Gajehadi Urf Madhwanagar, Ramwapur, Pakdihwa.	Zero	Zero

(No interested person is getting displaced in the acquisition process of proposed land for public purpose, namely project Khairi Miner, Talkunda Miner, Pakdihwa Miner under Saryu Canal Project through Executive Engineer, Rapti Nahar, Nirman Khand-2, Shohratgarh, Mukhyalay Badhani, Siddharthnagar).

**NOTE--**A plan of the land may be inspected in the Office of the Collector for the purpose of acquisition.

(Sd.) ILLEGIBLE,  
Collector, Siddharthnagar.

## कार्यालय, चकबन्दी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

11 अगस्त, 2023 ई0

सं0-3444/जी0-181/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील खजनी परगना धुरियापार जनपद गोरखपुर के ग्राम उसरी खास में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3445/जी0-171/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना फतेहाबाद जनपद आगरा के ग्राम शाहवेद में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3446/जी0-181/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0 5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के

अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना फतेहाबाद जनपद आगरा के ग्राम रिहावली में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3447/जी0-155/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना बिसवां जनपद सीतापुर के ग्राम बडैला में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3448/जी0-155/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना बिसवां जनपद सीतापुर के ग्राम सरवाहनपुर में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3449/जी0-169-ए/2022-23/धारा-52(1)— उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी

विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना स्वार जनपद रामपुर के ग्राम फाजिलपुर निकट धनौरी में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3450/जी0-257/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील भाटपाररानी परगना परगना सलेमपुर मझौली जनपद देवरिया के ग्राम बेलही में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3451/जी0-61B/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना चन्दौसी जनपद सम्भल के ग्राम खजरा खाकम में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3452/जी0-158/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना शाहबाद, जनपद रामपुर के ग्राम शाहबाद में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3453/जी0-157/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील पड़रौना परगना सिंधुवा जोबना जनपद कुशीनगर के ग्राम जंगल पिपरासी में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3454/जी0-61/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश,

एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना सम्भल जनपद सम्भल के ग्राम सिकन्दरपुर सराय में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3455/जी0-226/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना बिधूना जनपद औरैया के ग्राम पटनाएरवा में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3456/जी0-266/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील सदर परगना हवेली जनपद गोरखपुर के ग्राम जिन्दापुर तप्पा पचवारा में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3457/जी0-178/2021-22— उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1,

दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील बांसी परगना बांसी पूरब जनपद सिद्धार्थनगर के ग्राम तिलौली में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3458/जी0-15/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना अमेठी जनपद अमेठी के ग्राम गंगौली में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं0-3459/जी0-161-B/2022-23/धारा-52(1)— उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ0प्र0 अधिनियम सं0-5-1954 ई0) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं0 1769/सी0एच0-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं0 23/1/1-(5) 1991-टी0सी0आर0-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी0एस0 नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील व परगना पैलानी जनपद बांदा के ग्राम खैरई बांगर में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

सं०-3460/जी०-156/2023-24/धारा-52(1)—उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम, 1953 (उ०प्र० अधिनियम सं०-5-1954 ई०) की धारा 52(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति सं० 1769/सी०एच०-1-91-58, दिनांक 07 अगस्त, 1958 तथा शासनादेश सं० 23/1/1-(5) 1991-टी०सी०आर०-1, दिनांक 01 अप्रैल, 1991 में किये गये प्राविधान के अनुसार उपधारा (1-क) उपधारा (1) के अधीन यथा प्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करके मैं, जी०एस० नवीन कुमार, चकबन्दी संचालक, उत्तर प्रदेश,

एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से तहसील देवरिया परगना शाहजहांपुर जनपद देवरिया के ग्राम मुण्डेरा जगदीश में चकबन्दी क्रियाएं समाप्त हो गयी हैं।

जी० एस० नवीन कुमार,  
चकबन्दी संचालक,  
उत्तर प्रदेश।



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 23 सितम्बर, 2023 ई० (आश्विन 01, 1945 शक संवत्)

### भाग 3

स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, खण्ड-क-नगरपालिका परिषद्, खण्ड-ख-नगर पंचायत,  
खण्ड-ग-निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड-घ-जिला पंचायत।

### खण्ड-घ

कार्यालय, जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर

भवन निर्माण उपविधि, 2022

05 सितम्बर, 2023 ई०

सं० 1537/तेईस-02(2023-24)-उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 (यथा संशोधित) की धारा 239 (1) एवं धारा 239 (2) के साथ पठित अधिनियम की धारा 143 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर में ग्राम्य क्षेत्र, जो कि उक्त अधिनियम की धारा 2 (10) में परिभाषित है, में से इस क्षेत्र में स्थापित किसी विकास प्राधिकरण एवं उ०प्र० औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम, 1976 की धारा 2 (डी) में घोषित औद्योगिक विकास क्षेत्र को हटाते हुए शेष ग्राम्य क्षेत्र के अन्तर्गत बनने वाले सभी प्रकार के भवनों के नक्शों एवं निर्माण को नियंत्रित एवं विनियमित करने के उद्देश्य से निम्न उपविधियां बनायी हैं—

1-अधिनियम का तात्पर्य उ०प्र० क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 से है।

2-ग्राम्य क्षेत्र से तात्पर्य जिले में स्थित प्रत्येक नगर पंचायत, नगरपालिका परिषद्, छावनी तथा नगर निगम क्षेत्र के अतिरिक्त उस क्षेत्र को हटाते हुए जो कि किसी विकास प्राधिकरण या यू०पी०एस०आई०डी०सी० के द्वारा अधिग्रहीत किया गया हो एवं जिसके अधिग्रहण की सूचना पूर्ण विवरण सहित यथा ग्राम का नाम, गाटा/खसरा संख्या, अधिग्रहीत क्षेत्रफल आदि गजट में प्रकाशित की जा चुकी है।

3-विनियमन का मतलब भवन के मूल निर्माण एवं बने हुए भवन में अतिरिक्त निर्माण एवं फेरबदल की कार्यवाही को विनियमित करने से है।

4-मानचित्र से तात्पर्य भवन के ड्राइंग, डिजाइन एवं विशिष्टियों के अनुसार कागज/इलेक्ट्रानिक्स डिवाइस पर बने उस नक्शे से है, जो कि पंजीकृत वास्तुविद के द्वारा बनाकर प्रस्तुत किया गया हो एवं डिजाइन योग्य (Elegible) अभियन्ता द्वारा तैयार किया गया हो।

5-निर्माण कार्य का तात्पर्य किसी भवन में निर्माण करना, पुनः निर्माण करना या उसमें सारवान, विचलन करना या उसको ध्वस्त करने से है।

6-भवन की ऊँचाई का तात्पर्य संलग्न किसी नाली के टाप से लेकर उस भवन के सबसे ऊँचें बिन्दु तक नापी गयी लम्बवत (Vertical) ऊँचाई से एवं ढलान वाली छत के लिए दो गहराईयों के बीच से है। भवन की ऊँचाई में मन्टी, मशीनरूम, पानी की टंकी एन्टीना आदि की ऊँचाई सम्मिलित नहीं होगी।

7-छज्जा का तात्पर्य ऐसे ढलाननुमा या भूमि के क्षितिज के अनुसार बाहर निकले हुए भाग से है। जो कि सामान्यतया सूरज या बारिश से बचाव के लिए बनाया जाता है।

8-ड्रेनेज का तात्पर्य उस व्यवस्था से है, जिसका निर्माण किसी तरल पदार्थ जैसे रसोई, स्नानगृह, से विसर्जित पानी आदि को हटाने के लिए किया जाता है, इसके अन्तर्गत नाली व पाइप भी सम्मिलित है।

9-निर्मित भवन का तात्पर्य ऐसे भवन से है, जो कि परिभाषित ग्रामीण क्षेत्र में इन उपविधियों के लागू होने से पहले अस्तित्व में आ चुका है अथवा जिला पंचायत की स्वीकृति के बिना निर्मित किया गया हो।

10-तल (Floor Level) का तात्पर्य किसी मंजिल के उस निचले खण्ड से है, जहाँ पर सामान्यतः किसी भवन में चला फिरा जाता हो।

11-फ्लोर एरिया रेशियो (FAR) का तात्पर्य उस भागफल से है, जो सभी तलों के आच्छादित कुल क्षेत्रफल को भू-खण्ड के क्षेत्रफल से भाग देने से प्राप्त होता है।

12-भू-आच्छादन (Ground-Coverage) का तात्पर्य भूतल पर बने सभी निर्माण द्वारा घेरे गये क्षेत्रफल से है।

13-ग्रुप हाउसिंग का तात्पर्य उस परिसर से है, जिसके अन्दर आवासीय फ्लैट अथवा स्वतंत्र आवासीय (Independent Apartment Unit) इकाई बनी हों तथा मूल सुविधाओं जैसे पार्किंग, पार्क, बाजार, जनसुविधायें आदि का प्रावधान हो।

14-ले-आउट प्लान का तात्पर्य उस नक्शे से है, जो कि किसी स्थल के समस्त भू-खण्ड, भवन खण्ड, मार्ग खुली जगह, आने-जाने के बिन्दु, पार्किंग व्यवस्था, भूनिर्माण (Land-scaping) अथवा विभिन्न आकार की प्लाटिंग की समस्त जानकारी व अन्य विवरण को इंगित करता हो।

15-प्राविधिक (Technical) व्यक्ति का तात्पर्य निम्नलिखित से है:-

अ-अभियन्ता-अभियन्ता, जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर।

ब-अवर अभियन्ता-इस उपविधि में अवर अभियन्ता का तात्पर्य उस अवर अभियन्ता से है जिसको अभियन्ता, जिला पंचायत द्वारा भवन के नक्शों की स्वीकृति की कार्यवाही के लिए निर्देशित (Designated) किया गया हो।

16-कार्य अधिकारी का तात्पर्य कार्य अधिकारी, जिला पंचायत से है।

17-अधिभोग (Occupancy) का तात्पर्य उस प्रयोजन से है, जिसके लिए भवन या उसका भाग प्रयोग में लाया जाना है, जिसके अन्तर्गत सहायक अधिभोग भी सम्मिलित है।

18-स्वामी का तात्पर्य व्यक्ति, व्यक्तियों का समूह, कम्पनी, ट्रस्ट, पंजीकृत संस्था, राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के विभाग एवं अन्य प्राधिकरण जिसके/जिनके नाम में भूमि स्वामित्व सम्बन्धित अभिलेखों में दर्ज है।

19-रेन वाटर हार्वेस्टिंग का तात्पर्य बरसात के पानी को उपयोग करके विभिन्न तकनीकों से भूगर्भ जल के स्तर को ऊँचा उठाने से है।

20-सेटबैक का तात्पर्य किसी भवन के चारों तरफ यथा स्थिति या मानक के अनुसार एवं बाउन्ड्री दीवार के बीच छोड़ी गयी खाली जगह अथवा रास्ते से है।

21-अपर मुख्य अधिकारी का तात्पर्य अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर से है।



22—जिला पंचायत का तात्पर्य अधिनियम की धारा 17 (1) में संघटित जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर से है।

23—अध्यक्ष का तात्पर्य अध्यक्ष, जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर से है।

24—बहु मंजिली भवन (Multy Storey) चार मंजिल अथवा 15 मी0 से अधिक ऊँचाई का भवन बहु मंजिला कहलायेगा।

25—मंजिल का तात्पर्य भवन के उस भाग से है, जो किसी तल की सतह और इसके ऊपर के अनुवर्ती तल के बीच हो और यदि इसके उपर कोई तल न हों तो वह स्थान जो तल और इसके ऊपर की छत के मध्य हो।

26—भवन का तात्पर्य ऐसी स्थायी प्रकृति के निर्माण अथवा संरचना से है, जो कि किसी भी प्रकार की सामग्री से निर्माण किया जायें, एवं उसका प्रत्येक भाग चाहें मानव प्रयोग या अन्यथा किसी प्रयोग में लाया जा रहा हो एवं उसके अन्तर्गत बुनियाद, कुर्सी क्षेत्र, दीवार, फर्श, छत, चिमनी, पानी की व्यवस्था, स्थायी प्लैटफार्म, बरामदा, बालकनी, कार्नास या छज्जा या भवन का अन्य भाग जो किसी खुले भू-भाग को ढकने के उद्देश्य से बनाया जायेगा। इसके अन्तर्गत टैन्ट, शमियाना, तिरपाल आदि जोकि पूर्णतः अस्थायी रूप से किसी समारोह के लिये लगाये जाते हैं, वह भवन की परिभाषा में सम्मिलित नहीं होंगे।

27—आवासीय भवन के अन्तर्गत वे भवन सम्मिलित होंगे जिनमें सामान्यतः आवासीय प्रयोजन के प्रावधान सहित भवन सुविधा के साथ खाना बनाने तथा शौचालय की सुविधा हो। इसमें एक अथवा एक से अधिक आवासीय इकाई शामिल है।

28—व्यवसायिक/वाणिज्यिक भवन के अन्तर्गत वे भवन या भवन का वह भाग जो दुकानों, भण्डारण बाजार व्यवसायिक वस्तुओं के प्रदर्शन, थोक या फुटकर बिक्री व्यवसाय से सम्बन्धित कार्यकलाप होटल, पेट्रोल पम्प, कन्वीनिएन्स स्टोर्स एवं सुविधाएं जो माल व्यवसायिक माल की बिक्री से अनुशांगिक हों और उसी भवन में स्थित हों सम्मिलित होंगे अथवा ऐसे भवन/स्थल जिनका प्रयोग धनोपार्जन हेतु किया जाना हों।

29—संकटमय भवन के अन्तर्गत भवन या भवन के वह भाग सम्मिलित होंगे जिनमें अत्यधिक ज्वलनशील या विस्फोटक सामग्री या उत्पाद का संग्रहण, वितरण उत्पादन या प्रक्रम (Processing) का कार्य होता हो या जो अत्यधिक ज्वलनशील हो या जो ज्वलनशील भाप या विस्फोटक पैदा करता हो या जो अत्यधिक कारोसिव, जहरीली या खतरनाक क्षार, तेजाब हो या अन्य द्रव्य पदार्थ, रासायनिक पदार्थ जिनमें ज्वाला, भाप पैदा होती हो, विस्फोटक जहरीले इरीटेन्ट या कारोसिव गैसें पैदा होती हो या जिनमें धूल के विस्फोटक मिश्रण पैदा करने वाली सामग्री या जिनके परिणामस्वरूप ठोस पदार्थ छोटे-2 कणों में विभाजित हो जाता हो और जिनमें तत्काल ज्वलन प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाती है, के संग्रहण वितरण या प्रक्रम (Processing) के लिए प्रयुक्त किया जाता हो।

30—भवन गतिविधि/भवन निर्माण का तात्पर्य किसी भवन के बनाने या पुनः बनाने या उसमें सारवान विचलन या ध्वस्त करने की कार्यवाही मानी जायेगी।

31—पार्किंग स्थल से तात्पर्य ऐसे चारदीवारी में बंद या खुले स्थान से है, जहां पर वाहन इकट्ठे रूप में खड़े हो सकते हैं, परन्तु इसके लिए आवश्यक है, कि उक्त स्थान पर आने-जाने के लिए एक सुगम एवं स्वतंत्र जोड़ने वाला मार्ग बना हो।

इन उपविधियों में जिन भावों का प्रयोग किया गया है, परन्तु वे उक्त परिभाषाओं में सम्मिलित नहीं हैं, का तात्पर्य वही होगा, जो कि National Building Code एवं Bureau of Indian Standards द्वारा यथा संशोधित रूप में माना जाता है। किसी विरोधाभास की स्थिति में अधिनियम के प्रावधान प्रभावी माने जायेंगे।

### उपविधि

यह उपविधि जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर के उक्त परिभाषित ग्रामीण क्षेत्र में जो कि इन उपविधियों के लिए परिभाषित किया गया है, में किसी भी व्यक्ति, ठेकेदार कम्पनी, फर्म या संस्था, सहकारी समिति, सोसाइटी, राजकीय विभाग द्वारा निर्माण कराये जाने वाले आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक भवन, शिक्षण संस्थान, फार्म हाउस, गुप हाउसिंग, दुकानों, मार्केट, धर्मार्थ अथवा जनहितार्थ भवन इत्यादि का ले-आउट प्लान, भवन प्लान एवं निर्मित भवनों में परिवर्तन, परिवर्धन, विस्तार को नियन्त्रित एवं विनियमित करने की उपविधि कहलायेगी।

**(क) नक्शा स्वीकृत न कराने की परिस्थितियाँ**

ऐसे प्रकरण/निर्माण जिनमें उपविधियों के अन्तर्गत नक्शा स्वीकार कराना आवश्यक नहीं होगा।

1—उक्त परिभाषित ग्राम्य क्षेत्र में निम्नलिखित परिस्थितियों में भवन निर्माण, परिवर्तन, विस्तार की स्वीकृति हेतु प्रार्थना-पत्र की आवश्यकता नहीं होगी।

अ—ये उपविधि कच्चे मकानों एवं गांव के मूल निवासी के शुद्धतया निजी आवास/कृषि कार्य हेतु बनाये जाने वाले 300 वर्ग मी० क्षेत्रफल एवं दो मंजिल तक ऊँचे आवासीय भवनों पर लागू नहीं होंगी परन्तु सुरक्षित डिजाईन व निर्माण की जिम्मेदारी मालिक की होगी एवं उक्त निर्माण/कार्यवाही करने से पूर्व जिला पंचायत को एक लिखित सूचना देनी होगी।

ब—सफेदी व रंग-रोगन के लिए।

स—प्लास्टर व फर्श मरम्मत के लिए।

य—पूर्व स्थान पर छत पुनर्निर्माण के लिए।

र—प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त भवन के हिस्से का पुनर्निर्माण।

व—मिट्टी खोदने या मिट्टी से गड़ढा भरना।

**(ख) प्रार्थना-पत्र, भू-अभिलेख व नक्शे**

उक्त ग्राम्य क्षेत्र में कोई भी नया निर्माण, पुराने भवन में परिवर्तन या परिवर्धन, विस्तार या भू-खण्ड के ले-आउट की स्वीकृति का आशय रखने वाला स्वामी, इन उपविधियों के अनुसार, ऐसा करने से एक माह पहले अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत को एक आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित अभिलेख तथा सूचनायें प्रस्तुत करेगा एवं पावती रसीद प्राप्त करेगा।

1. स्थल का नक्शा निम्नवत् दिया जायेगा:—

ले-आउट प्लान का पैमाना—1 : 500 होगा।

की-प्लान का पैमाना—1 : 1000 होगा।

बिल्डिंग प्लान का पैमाना—1 : 100 होगा।

स्थल के चारों तरफ की सीमायें उनके नाम तथा समीपवर्ती भूमि का संक्षिप्त विवरण तथा भूमि मालिक का नाम।

समीपवर्ती मार्ग अथवा मार्गों का विवरण तथा निर्माणाधीन भवन से मार्ग की दूरी।

स्थल के नक्शे के साथ भूमि के स्वामित्व का प्रमाण-पत्र जैसे विक्रय आलेख, दाखिल, खारिज, खतौनी आलेख।

2. प्रस्तावित भवन/परियोजना का नक्शा उपरोक्त वर्णित पैमाने के अनुसार होगा।

अ—प्रत्येक मंजिल के ढके हुए भाग का नक्शा विवरण सहित

ब—नक्शे पर पंजीकृत वास्तुविद का पंजीकरण नम्बर नाम व पता सहित हस्ताक्षर।

स—नक्शे पर भू-स्वामी अथवा स्वामियों के नाम व पता सहित हस्ताक्षर।

य—भू-स्वामी अथवा स्वामियों द्वारा नक्शा स्वीकृति के लिए प्रार्थना-पत्र।

र—भवन/परियोजना के बनाने व उपयोग का उद्देश्य जैसे आवासीय, व्यवसायिक, शिक्षण, धर्मार्थ अथवा जनहितार्थ भवन

ल-स्थल का की-प्लान, ले-आउट प्लान, फ्लोर-प्लान, एलिवेशन, भवन की ऊँचाई, सेक्शन, स्ट्रक्चर विवरण, रेन वॉटर, हार्वेस्टिंग प्रणाली, बेसमेंट, लैंडस्केप प्लान, वातानुकूलित प्लांट, सीवेज-जल निस्तारण व्यवस्था अग्नि निकास जीने की स्थिति व अन्य विवरण।

व-नक्शे पर परियोजना का नाम, शीर्षक, भू-खंड का खसरा, ग्राम, तहसील सहित पूरा पता।

स-नक्शे पर भूखंड का क्षेत्रफल, ग्राउंड कवरेज, हर तल का क्षेत्रफल, बेसमेंट का क्षेत्रफल आदि का विवरण।

3. बहु मंजिली भवन (Multi Story) चार मंजिल अथवा 15 मी० से अधिक ऊँचाई के भवन में नक्शे पर निम्नलिखित अतिरिक्त सूचना भी देनी होगी, अग्निशमन प्रणाली की व्यवस्था आपात सीढ़ी व निकासी, अग्नि सुरक्षा लिफ्ट, अग्नि-अलार्म आदि का विवरण व ठिकाने (Location)।

निर्माण कार्य एवं निर्माण में उपयोग की जाने वाली सामग्री की विशिष्टियाँ आदि।

### (ग) नक्शा स्वीकृति प्रदान न करने की परिस्थितियाँ

निम्नलिखित परिस्थितियों में भवन निर्माण, परिवर्तन, विस्तार की किसी भू-खंड पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी यदि—

अ-प्रस्तावित भवन-उपयोग अनुमन्य भू-उपयोग से भिन्न है।

ब-प्रस्तावित निर्माण धार्मिक प्रकृति का है और उससे किसी समाज की धार्मिक भावनाएं आहत होती हो।

स-प्रस्तावित निर्माण का उपयोग लोगों की भावनाएं भड़काने का स्रोत (Source of Annoyance) अथवा आस-पास रहने वालों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालता हो।

### (घ) तकनीकी अनुदेश (Technical Instructions)

1. क-एक आवास गृह में 4.5 व्यक्ति प्रति गृह माना (Consider) गया है।

ख-भवन के भू-तल पर स्टिल्ट पार्किंग (Stilt Parking) अधिकतम 2.4 मी० ऊँचाई तक अनुमन्य होगी।

ग-लिंग्टल (Lintel) अथवा छत स्तर पर छज्जा अधिकतम क्रमशः 0.45 मी० एवं 0.75 मी० चौड़ा होगा।

घ-बेसमेंट का निर्माण भवन की सीमा से बाहर नहीं किया जायेगा। बेसमेंट की फर्श से सीलिंग तक की अधिकतम ऊँचाई 4.5 मी० तथा बाहर की नाली से बेसमेंट की अधिकतम ऊँचाई 1.5 मी० होगी। स्ट्रक्चर स्थिरता के आधार पर बेसमेंट सन्निकट (Adjacent) प्लॉट से 2.0 मी० दूरी तक निर्मित किया जा सकता है।

ड-बहु मंजिली भवन में कम से कम एक सामान (Goods)/मालवाहक लिफ्ट का प्रावधान करना होगा।

च-राष्ट्रीय भवन संहिता (National Building Code) 2005 के प्रावधान के अनुसार ग्रुप हाउसिंग के दो ब्लॉक में न्यूनतम 6.0 मी० से 16.0 मी० की दूरी होगी। भवन की 18.0 मी० ऊँचाई तक 6.0 मी० इसके पश्चात प्रत्येक 3.0 मी० अतिरिक्त ऊँचाई के लिए ब्लॉक की दूरी 1.0 मी० बढ़ाई जायेगी भू-खंड के डेड एण्ड (Dead End) पर ब्लॉक की अधिकतम दूरी 9.0 मी० होगी।

छ-बहु मंजिली भवन में चार तलों के बाद एक सेवा तल अनुमन्य होगा किसी भवन में अधिकतम 3 सेवा तल का प्रावधान किया जा सकता है, सेवा तल की अधिकतम ऊँचाई 2.4 मी० होगी।

2. निम्नलिखित निर्माण/सुविधाओं के लिये भू-खंड का 10% क्षेत्रफल, भू-आच्छादन (Ground Coverage) में अतिरिक्त जोड़ा जा सकता है।

क-जेनरेटर कक्ष, सुरक्षा मचान, सुरक्षा केबिन, गार्ड रूम, टॉयलेट ब्लॉक, ड्राईवर रूम, विद्युत उपकेन्द्र आदि।

ख-मल्टी, मशीन रूम, पम्प हाउस, जल-मल प्लांट।

ग-ढके हुए पैदल पथ आदि।

3. क-आवासीय भवन में कमरे का आकार 2.4 मी० एवं 9.5 वर्ग मीटर से कम न होना चाहिए।

ख-छत की सीलिंग की ऊँचाई 2.75 मी० से कम न होनी चाहिए।

ग-ए.सी. कमरे की ऊँचाई 2.40 मी० से कम न होनी चाहिए।

घ-रसोईघर की ऊँचाई 2.75 मी०, आकार 1.80 मी० एवं 5.00 वर्ग मी० से कम न होना चाहिए।

ड-संयुक्त संडास (Toilet) का आकार 1.20 मी० एवं 2.20 वर्ग मी० से कम न होना चाहिए।

च-खिड़की व रोशनदान का क्षेत्रफल फर्श के क्षेत्रफल का 10% से कम न होना चाहिए।

छ-तीन मंजिल तक के भवन में सीढ़ी की चौड़ाई 1.00 मी० एवं इससे अधिक ऊँचे भवन में 1.50 मी० से कम न होनी चाहिए।

4. क-पार्क, टॉट लॉटस (Tot-Lots), लैंड स्केप (Landscape) आदि का क्षेत्रफल भू-खंड के क्षेत्रफल का 15% होगा।

ख-30 मी० तक के मार्ग पर स्थित समस्त प्रकार के भवनों की अधिकतम ऊँचाई सड़क की विद्यमान चौड़ाई तथा अनुमन्य फ्रंट सेट-बैक के योग का डेढ़ गुना होगी।

ग-भू-कम्प रोधी व सुरक्षित डिजाइन की जिम्मेदारी वास्तुविद एवं उसके अन्तर्गत कार्यरत डिजाइनर की होगी।

5. स्वीकृत किये गये भवन में जल आपूर्ति एवं मल-मूत्र एवं बेकार पानी के निस्तारण (Disposal) की व्यवस्था स्वामी द्वारा स्वयं की जायेगी जिला पंचायत का इसके लिए कोई उत्तरदायित्व/व्यय अधिभार नहीं होगा।
6. बेसमेंट में इलेक्ट्रिक ट्रांसफार्मर की स्थापना, ज्वलनशील, विस्फोटक सामग्री आदि का भण्डारण नहीं किया जा सकेगा।

### (इ) रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

भवन एवं पक्की सड़कों के द्वारा भू-खंड के प्रत्येक 300 वर्ग मी० के भू-आच्छादन (Ground-Coverage) पर एक रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम होगा। प्रत्येक 1000 वर्ग मी० के भू-आच्छादन (Ground-Coverage) पर एक अतिरिक्त रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करना होगा।

### (छ) भू-आच्छादन एवं फ्लोर एरिया रेशियो (FAR)

विभिन्न भवनों हेतु भू-आच्छादन एवं फ्लोर एरिया रेशियो (FAR) के मानक निम्नवत होंगे

क्र० सं०	भवन एवं भू-उपयोग	भू-आच्छादन प्रतिशत	फ्लोर एरिया रेशियो (FAR)	भवन की अधिकतम ऊँचाई सूची (A) के अनुसार जनपदों में	भवन की अधिकतम ऊँचाई अन्य जनपदों में
1	2	3	4	5	6
				मीटर	मीटर
1.	(i) आवासीय भवन भू-खंड 500 वर्ग मी० तक	80	3.00	15	15
	(ii) आवासीय भवन भू-खंड 500-2000 वर्ग मी० तक	65	4.00	15	15
2.	ग्रुप हाउसिंग योजना, रैन बसेरा (Night Shelter)	50	3.00	30	21

1	2	3	4	5	6
				मीटर	मीटर
3.	औद्योगिक भवन	60	1.00	18	12
4.	व्यावसायिक भवन				
	(i) सुविधा (Convenient) शॉपिंग केन्द्र, माल्स, व्यावसायिक केन्द्र, होटल	40	2.50	30	21
	(ii) बैंक, सिनेमा, मल्टीप्लेक्स,	40	1.50	24	18
	(iii) वेयरहाउस, गोदाम	60	1.50	18	15
	(iv) दुकाने व मार्केट	60	1.50	15	10
5.	संस्थागत एवं शैक्षणिक भवन,				
	(i) सभी उच्च शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, डिग्री कॉलेज आदि	50	1.50	24	15
	(ii) हायर सेकंडरी, प्राइमरी, नर्सरी स्कूल, क्रेच सेन्टर आदि	50	1.50	24	15
	(iii) हॉस्पिटल, डिस्पेंसरी, चिकित्सालय, लैब, नर्सिंग होम आदि	75	2.50	24	15
6.	धर्मार्थ अथवा जनहितार्थ भवन	50	1.20	15	10
	(i) सामुदायिक केन्द्र क्लब, बारात घर, जिमखाना, अग्निशमन केन्द्र, डाकघर, पुलिस स्टेशन	30	1.50	15	10
	(ii) धर्मशाला, लॉज, अतिथिगृह, हॉस्टल	40	2.50	15	10
	(iii) धर्मकांटा, पेट्रोल पम्प, गैस गोदाम, शीतगृह	40	0.50	10	6
7.	कार्यालय भवन				
	सरकारी, अर्धसरकारी, कार्पोरेट एवं अन्य कार्यालय भवन	40	2.00	30	15
8.	क्रीडा एवं मनोरंजन, कॉम्प्लेक्स, शूटिंग रेंज, सामाजिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र	20	0.40	15	10
9.	नर्सरी	10	0.50	6	6
10.	बस स्टेशन, बस डिपो, कार्यशाला	30	2.00	15	12
11.	फार्म हाउस	10	0.15	10	6
12.	डेरी फार्म	10	0.15	10	6
13.	मुर्गा, सूअर, बकरी, फार्म	20	0.30	6	6
14.	ए०टी०एम०	100	1.00	6	6

## (ज) सेट-बैक (Set-back)

क्रमांक	भू-खंड का क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	सामने (Front)	साईड (Side)	पीछे (Rear)	लैंड स्केपिंग (Landscaping)	खुला स्थान प्रतिशत तक
1	2	3	4	5	6	7
		मीटर	मीटर	मीटर		
1.	150 तक	3.0	0.0	1.5	एक वृक्ष प्रति 100 वर्ग मीटर	25
2.	151-300	3.0	0.0	3.0	„	25
3.	301-500	4.0	3.0	3.0	„	25
4.	501-2000	6.0	3.0	3.0	„	25
5.	2001-6000	7.5	4.5	6.0	„	25
6.	6001-12000	9.0	6.0	6.0	„	25
7.	12001-20000	12.0	7.5	7.5	„	50
8.	20001-40000	15.0	9.0	9.0	„	50
9.	40001 से अधिक	16.0	12.0	12.0	„	50

## (झ) पार्किंग-स्थान

क्रमांक	भवन/भू-खंड	पार्किंग स्थान ECU (Equivalent Car Unit)
1.	ग्रुप हाउसिंग योजना	एक ECU प्रति 80 वर्ग मीटर स्वीकृत (FAR) का
2.	संस्थागत एवं भौक्षणिक भवन	एक ECU प्रति 100 वर्ग मीटर स्वीकृत (FAR) का
3.	औद्योगिक भवन	एक ECU प्रति 100 वर्ग मीटर स्वीकृत (FAR) का
4.	व्यावसायिक भवन	एक ECU प्रति 30 वर्ग मीटर स्वीकृत (FAR) का
5.	सामाजिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र	एक ECU प्रति 50 वर्ग मीटर स्वीकृत (FAR) का
6.	लॉज, अतिथिगृह, हास्टल	एक ECU प्रति 2 अतिथि रुम के लिए
7.	हॉस्पिटल, नर्सिंग होम	एक ECU प्रति 65 वर्ग मीटर स्वीकृत (FAR) का
8.	सिनेमा, मल्टीप्लेक्स	एक ECU प्रति 15 सीट्स
9.	आवासीय भवन	एक ECU प्रति 150 वर्ग मीटर स्वीकृत (FAR) का

## (ज) अग्नि शमन पद्धति, अग्नि सुरक्षा एवं सेवायें

(i) तीन मंजिल अथवा 15 मीटर से अधिक ऊँचे भवनों और विशिष्ट भवन यथा-संस्थागत एवं शैक्षणिक भवन, व्यावसायिक भवन हॉस्पिटल, नर्सिंग होम सिनेमा, मल्टीप्लेक्स, 400 वर्ग मीटर से अधिक भू-आच्छादन के भवन में अग्नि निकास हेतु एक जीना बाहर की दीवार पर एवं अग्नि सुरक्षा के अन्य प्रावधान भी करने होंगे। भवन के चारो तरफ बाउन्ड्री दीवार के साथ-साथ 6 मी0 चौड़ा मार्ग का प्रावधान करना होगा। जिसमें दमकलों के चालन हेतु कम से कम 4 मी0 चौड़ाई का परिवहन मार्ग (Carriage way) होगा।

(ii) अग्नि निकास जीने की न्यूनतम चौड़ाई 1.2 मी0, ट्रेड की न्यूनतम चौड़ाई 28 से0मी0, राइजर अधिकतम 19 से0मी0, एक फ्लैट में अधिकतम राइजर की संख्या 16 तक सीमित होगी।

(iii) अग्नि निकास जीने तक पहुँच दूरी 15 मीटर से अधिक न होनी चाहिए।

(iv) घुमावदार अग्नि निकास जीने का प्रावधान 10 मीटर से अधिक ऊँचें भवनों में नहीं किया जायेगा।

(v) उपरोक्त भवनों हेतु अग्नि शमन विभाग के सक्षम प्राधिकारी से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की जिम्मेदारी भवन स्वामी की होगी।

(vi) उपरोक्त भवनों में उत्तर प्रदेश अग्नि निवारण और अग्नि सुरक्षा अधिनियम (6) 2005 एवं राष्ट्रीय भवन संहिता (National Building Code) 2005 भाग-4 के अनुसार प्रावधान किया जायेगा जैसे स्वचालित स्प्रिंकलर पद्धति, फ्रस्ट एण्ड होज रील्स, स्वचालित अग्नि संसूचन और चेतावनी पद्धति, सार्वजनिक संबोधन व्यवस्था, निकास मार्ग के संकेत चिन्ह, फायर मैन, स्विच युक्त फायर लिफ्ट, वेट राइजर डाउन कॉर्नर सिस्टम आदि।

#### (द) इलेक्ट्रिक लाईन से दूरी

क्रमांक	विवरण	उर्ध्वाकार दूरी मीटर	क्षैतिज दूरी मीटर
1.	लो एण्ड मीडियम वोल्टेज लाईन तथा सर्विस लाईन	2.4	1.2
2.	हाई वोल्टेज लाईन 33,000 वोल्टेज तक	3.7	1.8
3.	एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज लाईन	3.7+(0.305m) प्रत्येक अतिरिक्त 33,000 वोल्टेज पर	1.8+(0.305m) प्रत्येक अतिरिक्त 33,000 वोल्टेज पर

#### (ठ) मोबाइल टावर की स्थापना

क—मोबाइल टावर की स्थापना हेतु भवन स्वामी, एवं आवासीय कल्याण समिति (RWA) की अनापत्ति प्रस्तुत करनी होगी।

ख—जनरेटर केवल साइलेंट प्रकृति के होंगे तथा भू-तल पर ही लगाए जाएंगे।

ग—यदि टावर का निर्माण भवन की छत पर किया जाता है तो टावर का निचला भाग भवन की छत से न्यूनतम 03 मीटर ऊपर होना चाहिए।

घ—जहाँ अपेक्षित हो, वहाँ टावर के निर्माण से पूर्व एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया/वायुसेना का अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

ङ—सेवा ऑपरेटर कम्पनी और भवन स्वामी को संयुक्त हस्ताक्षर से इस आशय का शपथ-पत्र प्रस्तुत करना होगा कि यदि टावर निर्माण के फलस्वरूप आस-पास के भवन एवं जान-माल को किसी भी प्रकार की क्षति पहुँचती है तो उसकी क्षतिपूर्ति का समस्त दायित्व सम्बन्धित कम्पनी और भवन स्वामी का होगा।

च—इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव, रेडियो विकिरण, वायुब्रेसन (कम्पन) आदि के रूप में होने वाले दुष्परिणामों के नियंत्रण हेतु भारत सरकार/राज्य सरकार अथवा अन्य शासकीय अभिकरण द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन करना अनिवार्य होगा।

छ—अनुज्ञा पत्र जारी करने के लिये प्रथम बार शुल्क के रूप में एक लाख रुपये जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर में जमा कराने होंगे। यह शुल्क एक वर्ष की अवधि के लिए होगा तथा अप्रत्यापणीय (Non-Refundable) होगा। अनुज्ञा के नवीनीकरण के लिए प्रथम बार के शुल्क का 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष जमा कराने होंगे।

ज—शैक्षणिक संस्था, हास्पिटल, अधिक घनत्व वाली आवासीय बस्ती, अथवा धार्मिक भवन/स्थल आदि पर या इनके 100 मीटर के दायरे में मोबाइल टावर की स्थापना नहीं की जायेगी।

#### (ड़) नक्शे स्वीकृति की दरें

क—आवासीय भवन एवं शैक्षणिक भवन जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर के ग्रामीण क्षेत्रों के सभी भवनों के तलों पर फर्श से ढके भाग पर 50 रुपये प्रति वर्ग मीटर, होगी।

ख—व्यावसायिक एवं व्यापारिक भवन जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर के ग्रामीण क्षेत्रों के सभी भवनों के तलों पर फर्श से ढके भाग पर 100 रुपये प्रति वर्ग मीटर, होगी।

ग-(i) भूमि की प्लॉटिंग-भूमि को योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न आकार के प्लॉटों में बाँटना।

(ii) भूमि विकास-भूमि पर योजनाबद्ध तरीके से पार्क, उद्यान बनाना, फार्म हाउस विकसित करना नर्सरी लगाना, शादी बैंकट हाल आदि।

(iii) भूमि का उपभोग-भूमि का विभिन्न प्रकार के सामानों के भण्डारण हेतु प्रयोग करना जैसे निर्माण सामग्री, कंटेनर, ईंधन आर0सी0सी0 पाईप आदि।

(iv) किसी परियोजना का ले-आउट प्लान (तलपट मानचित्र)

उपरोक्त ग-(i) से (iv) तक, जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर में 20 रु0 प्रति वर्गमीटर होगी।

घ-पुराने भवन को ध्वस्त करने के पश्चात पुनः निर्माण करने की दशा में अनुज्ञा शुल्क की दरें नये भवन की दरों के समान होंगी।

ड-स्वीकृत भवन के नक्शे में संशोधन होने की दशा में अनुज्ञा शुल्क की दरें भवन की दरों की एक चौथाई होगी।

च-बेसमेन्ट, स्टिल्ट, पोटियम, सेवा क्षेत्र व अन्य आच्छादित क्षेत्रों की, अनुज्ञा शुल्क में गणना की जायेगी।

छ-यदि स्वीकृति के नवीनीकरण का आवेदन, अनुज्ञा अवधि समाप्ति से पूर्व किया जाता है तो स्वीकृति के नवीनीकरण की दरें मूल दरों की 10 प्रतिशत होगी। एक बार में अनुज्ञा की अवधि एक वर्ष व अधिकतम दो वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है। अनुज्ञा अवधि समाप्ति के पश्चात नवीनीकरण की दरें मूल दरों की 50 प्रतिशत होगी।

ज-उपविधियों के अनुसार, जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर से नक्शों की स्वीकृति के बिना निर्माण करने, किसी भूमि पर व्यवसाय करने, स्वीकृत नक्शे से इतर निर्माण करने अथवा जिला पंचायत भवन उपविधि की किसी धारा या उपधारा का उल्लंघन करने पर अर्थ-दण्ड के रूप में समझौता शुल्क (Compounding Fees) रोपित किया जाएगा। समझौता शुल्क (Compounding Fees) प्रस्तावित भवन अथवा ले-आउट प्लान (तलपट मानचित्र) पर परिस्थिति अनुसार, कुल शुल्क की गणना का कम से कम 20 प्रतिशत से अधिकतम 50 प्रतिशत अतिरिक्त होगा। समझौता शुल्क (Compounding Fees) विभाग में जमा होने के उपरान्त पूर्व में निर्मित भवन के नक्शों की स्वीकृति प्रदान की जा सकती है। समझौते की कार्यवाही अधिनियम की धारा-248 में दी गयी व्यवस्था से नियन्त्रित होगी।

झ-जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर द्वारा पूर्णता प्रमाण-पत्र (Completion Certificate) जारी करने की दरें 10 रुपये प्रति वर्ग मीटर होंगी। ये दरें सभी तलों के कुल क्षेत्रफल पर लागू होंगी।

ण-जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर द्वारा बाउन्ड्री वाल स्वीकृति की दरें 10 रुपये प्रति वर्ग मीटर होगी।

नोट-(शुल्क निर्धारण हेतु, भवन के सभी तलों पर फर्श के कुल क्षेत्रफल की गणना करनी होगी)

### (ण) अनुज्ञा पत्र जारी करने की प्रक्रिया

1. स्वामी द्वारा आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तावित भवन/परियोजना के नक्शे एवं स्वामित्व के भू-अभिलेख अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत के कार्यालय में जमा किये जायेंगे एवं आवेदक को इस प्रस्तुतिकरण की दिनांकित पावती दी जायेगी।
2. ऐसे आवेदन-पत्र एवं उसके साथ संलग्नकों को अपर मुख्य अधिकारी तत्काल कार्य अधिकारी को भू-अभिलेखों के परीक्षण हेतु पृष्ठांकित कर देगा।
3. कार्य अधिकारी ऐसे प्राप्त आवेदन पर उपरोक्त कार्यवाही पूर्ण करके अधिकतम 15 दिनों में सम्बन्धित अभिलेख अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत को प्रस्तुत कर देगा। कार्य अधिकारी की तैनाती न होने की दशा में उपरोक्त कार्यवाही अपर मुख्य अधिकारी द्वारा स्वयं की जायेगी।
4. कार्य अधिकारी से प्राप्त आख्या को अपर मुख्य अधिकारी तत्काल अभियन्ता, जिला पंचायत को पृष्ठांकित कर देगा।
5. अभियन्ता द्वारा प्रस्तावित परियोजना के स्थलीय सर्वेक्षण हेतु निर्देशित (Designated) अवर अभियन्ता को स्थल के सर्वेक्षण हेतु आदेशित किया जायेगा।



6. अवर अभियन्ता द्वारा स्थल सर्वेक्षण की आख्या अधिकतम एक सप्ताह में अभियन्ता, जिला पंचायत को प्रस्तुत की जायेगी।
7. अवर अभियन्ता से सर्वेक्षण आख्या प्राप्त होने के उपरान्त बहुमंजिली भवन, व्यवसायिक भवन, संकटमय भवन एवं शैक्षणिक भवन अथवा अन्य महत्वपूर्ण परियोजना का नक्शा पारित करने से पहले अभियन्ता जिला पंचायत द्वारा प्रस्तावित परियोजना के स्थल का सर्वेक्षण अनिवार्य होगा।
8. अभियन्ता द्वारा स्थल की सर्वेक्षण आख्या प्रस्तुत करने के उपरान्त सर्वेक्षण आख्या का परीक्षण किया जायेगा। परियोजना के नक्शों की स्वीकृति हेतु अवर अभियन्ता द्वारा एक अंतरिम शुल्क की गणना करके अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत को सूचित किया जायेगा। आवेदक द्वारा आंगणित अन्तरिम शुल्क की 20 प्रतिशत धनराशि अग्रिम रूप से नोटिस प्राप्त होने के एक सप्ताह के अन्दर कार्यालय जिला पंचायत में जमा करनी होगी। इसके उपरान्त ही नक्शों के विषय में अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। प्रतिबन्ध यह है, कि नक्शा पारित होने के स्तर पर आवेदक मांग-पत्र के अनुसार निर्धारित अवधि में यदि शुल्क जमा करता है, तो उक्त धनराशि समायोजित (Adjust) हो जायेगी। अन्यथा की दशा में जमा धनराशि जब्त हो जायेगी।
9. जिला पंचायत के अभियन्ता द्वारा परियोजना की सम्भाव्यता (Possibility) सुगमता (Convenience) साध्यता (Feasibility) तकनीकी जाँच व जिला पंचायत भवन उपविधि में तकनीकी प्रावधानों एवं नक्शों का परीक्षण किया जायेगा। आवश्यकता समझने पर नक्शों में संशोधन हेतु आवेदन कर्ता को निर्देशित किया जायेगा।
10. अभियन्ता द्वारा परियोजना तकनीकी दृष्टि से सुस्थित (Sound) पाये जाने पर अपनी तकनीकी आख्या अपर मुख्य अधिकारी को अधिकतम 15 दिन में प्रस्तुत करनी होगी। अवर अभियन्ता से आंगणित शुल्क की धनराशि का विवरण प्रतिपरीक्षण (Cross Verifaction) कराके तकनीकी आख्या के साथ संलग्न करना होगा।
11. अपर मुख्य अधिकारी उक्त आख्या प्राप्त होने पर कार्य अधिकारी एवं अभियन्ता द्वारा प्राप्त आख्याओं का परीक्षण करके आवेदक को शुल्क जमा करने का मांग-पत्र जारी करेंगे। जिसमें आवेदक को शुल्क जमा करने के लिये एक माह का समय दिया जायेगा।
12. आवेदक द्वारा नक्शा शुल्क निर्धारित समय में जमा कराना होगा। जिला निधि की रोकड़ बही में शुल्क की प्रविष्टि के उपरान्त अपर मुख्य अधिकारी द्वारा नक्शों की स्वीकृति प्रदान की जायेगी।
13. उपरोक्त समस्त कार्यवाही पूर्ण होने के उपरान्त आवेदक को अनुज्ञा-पत्र अपर मुख्य अधिकारी द्वारा आवश्यक शर्तों के साथ जारी किया जायेगा। नक्शों पर अपर मुख्य अधिकारी एवं अभियन्ता, कार्य अधिकारी द्वारा संयुक्त हस्ताक्षर से स्वीकृति प्रदान की जायेगी।
14. यदि जिला पंचायत द्वारा आवेदन प्राप्ति के 02 माह के भीतर आवेदक को कोई सूचना अथवा शुल्क की मांग-पत्र जारी नहीं किया जाता है, तो आवेदक द्वारा निर्धारित 02 माह की अवधि के समाप्ति के दिनांक से 20 दिन के भीतर प्रकरण अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत के संज्ञान में लिखित रूप से लाया जायेगा। यदि इस पर भी अपर मुख्य अधिकारी 10 दिन में कोई कार्यवाही नहीं करता है, तो पूर्व में प्रस्तुत नक्शा एवं निर्माण की स्वीकृति मानित स्वीकृति (Deemed Sanction) मानी जायेगी।

**विवाद**—उक्त कार्यवाही में किसी विवाद होने की दशा में या स्वीकृत नक्शा किन्हीं कारणों से निरस्त होने की दशा, में या ऐसी कार्यवाही उत्पन्न होने के दिनांक से 30 दिन के भीतर प्रकरण मुख्य अधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी जिला पंचायत को सन्दर्भित किया जायेगा। जिसमें उनको अपने अनुदेश ऐसे प्रकरण की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर देना होगा एवं उनका ये आदेश अभ्यपक्षों पर बन्धनकारी होगा।

#### (त) सामान्य-अनुदेश (General Instructions)

1. भारत सरकार अथवा उत्तर प्रदेश सरकार एवं पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित ऐतिहासिक स्मारक, इमारत या स्थल के 200 मीटर के दायरे में निर्माण की अनुमति नहीं दी जायेगी। 200 मीटर से 1.5 किलोमीटर के दायरे में निर्माण की मंजिलों एवं ऊँचाई की अनुमति, तत्समय आवश्यक और उचित कारण सहित दी जायेगी।
2. भू-खंड की सीमा से बाहर कोई निर्माण अनुमन्य नहीं होगा।

3. भवन के भू-तल पर स्टिल्ट पार्किंग (Stilt Parking) वाहन पार्किंग, बेसमेंट वाहन पार्किंग, भण्डार व सुविधाओं के रख-रखाव व सेवा-तल (Service Floor) भण्डार व सुविधाओं के रख-रखाव इत्यादि हेतु उपयोग किया जाय तो इनका क्षेत्रफल एफ0ए0आर0 में शामिल नहीं होगा।
4. निकटतम हवाई अड्डा चाहे विमानापत्तम प्राधिकरण (Airport Authority) द्वारा नियन्त्रित हो या रक्षा विभाग अथवा अन्य शासकीय विभाग द्वारा नियन्त्रित हो, के 5 कि0मी0 की परिधि में 30 मी0 से ऊँचे भवन के आवेदनकर्ता को उक्त वर्णित प्रतिष्ठानों से अनापत्ति प्रमाण-पत्र लेना होगा।
5. उपरोक्त उपविधि में सभी बातों के होते हुए भी जिला पंचायत यदि उचित व आवश्यक समझे तो, कारणों का उल्लेख करते हुए किसी भवन में भू-आच्छादन, फ्लोर एरिया रेशियों (FAR) अधिकतम ऊँचाई में परिवर्तन की स्वीकृति प्रदान कर सकती है।
6. उपरोक्त सूची में उल्लिखित, भवनों के अतिरिक्त भवनों एवं गतिविधियों के नियमों व विनियमों का निर्धारण, जिला पंचायत द्वारा, इस प्रकार के समकक्ष (Similar) भवनों एवं गतिविधियों के लिए निर्धारित उपविधियों के अनुसार किया जायेगा।
7. मल्टी लेवल पार्किंग में संरचनात्मक एवं सुरक्षा की शर्तों के अधीन अधिकतम दो बेसमेंट अनुमन्य होंगे।
8. इन उपविधियों के अधीन जारी अनुज्ञा जारी होने के दिनांक से तीन वर्ष की अवधि के लिए वैध एवं मान्य होगी।
9. इन उपविधियों के पालन न करने की दशा में सम्बन्धित उल्लंघनकर्ता के विरुद्ध सी0आर0पी0सी0 की धारा 133 के अन्तर्गत जिला पंचायत द्वारा कार्यवाही की जायेगी।

#### (थ) अनुज्ञा की शर्तें

अनुज्ञा-पत्र जारी होने के उपरान्त यदि यह संज्ञान में आये की नक्शे स्वीकृति हेतु आवेदक द्वारा प्रस्तुत अभिलेख फर्जी है, अथवा गलत विवरण दिया गया है तो जिला पंचायत द्वारा दी गयी नक्शों की स्वीकृति निरस्त की जा सकती है, किया गया निर्माण ध्वस्त किया जा सकता है अथवा सील (Seal) किया जा सकता है।

क-अपर मुख्य अधिकारी को अधिकार होगा की वह अभियन्ता जिला पंचायत की संस्तुति पर वास्तुविद द्वारा प्रस्तुत नक्शों में संशोधन अथवा परिवर्तन कर दे अथवा अस्वीकार कर दें।

ख-पंजीकृत वास्तुविद द्वारा तैयार एवं हस्ताक्षरित नक्शे ही मान्य होंगे। परियोजना का डिजाईन वास्तुविद के अन्तर्गत कार्य करने वाले योग्य अभियन्ता द्वारा कराया जाएगा।

ग-कोई भी व्यक्ति, कम्पनी, फर्म या संस्था, राजकीय विभाग अथवा ठेकेदार आदि द्वारा प्रस्तावित मानचित्र जिला पंचायत से स्वीकृत होने के बावजूद अन्य उन सभी विभागों से जिनके लाईसेन्स/अनापत्ति प्रमाण-पत्र लिया जाना आवश्यक है, से अनुमति प्राप्त करने की उत्तरदायित्व आवेदक का होगा।

#### (द) दण्ड

उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम, 1961 की धारा 240 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर यह निर्देश देती है कि जो व्यक्ति इन उपविधियों का उल्लंघन करेगा, वह अर्थ-दण्ड से दण्डनीय होगा, जो रु0 1,000 तक होगा, जो प्रथम दोष सिद्ध होने के पश्चात ऐसे प्रत्येक दिन के लिए जिसके बारे में यह सिद्ध हो जाये कि अपराधी अपराध करता रहा है, रुपये 50 प्रतिदिन हो सकेगा, अथवा अर्थ-दण्ड का भुगतान न किया जाये तो कारावास से दण्डित किया जायेगा जो कि तीन माह तक हो सकेगा।

शीतल सिंह,  
अध्यक्ष,  
जिला पंचायत, सिद्धार्थनगर।



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 23 सितम्बर, 2023 ई० (आश्विन 01, 1945 शक संवत्)

### भाग 8

सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रूई की गांठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आंकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आंकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार-भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि।

### कार्यालय, नगर पंचायत बाजना, जनपद मथुरा

वाणिज्य नियंत्रण लाइसेन्स व अन्य शुल्क उपनियमावली, 2023

02 सितम्बर, 2023 ई०

सं० 101/न०प०बा०/2023-24—नगर पंचायत बाजना, जिला—मथुरा में उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 298 (2) के शीर्षक (ए)(बी)(सी) तथा जे०डी० एवं धारा 212क के अधीन अधिकारों का प्रयोग करके अपनी सीमा में वाणिज्य नियंत्रण लाइसेन्स व अन्य शुल्क उपविधि, 2023 बनाई गई है। जिसका नगर पंचायत बाजना बोर्ड प्रस्ताव संख्या 07 दिनांक 12 जून, 2023 के आलोच्य में तैयार उपरोक्त उपविधि को नगर पंचायत बाजना द्वारा समाचार पत्र में प्रकाशन दिनांक 20 जुलाई, 2023 को “दैनिक भास्कर” समाचार-पत्र एवं दिनांक 20 जुलाई, 2023 को दैनिक तरुण मित्र समाचार-पत्र में किया गया है। जिसमें आपत्ति/सुझाव नगर पंचायत बाजना के कार्यालय में प्रकाशन तिथि से 30 दिन के अन्दर आपत्ति मांगी गयी। लेकिन 30 दिन के अन्दर कोई भी आपत्ति/सुझाव प्राप्त नहीं हुये। अन्तिम कार्यवाही हेतु पत्र “अमर उजाला” समाचार-पत्र के अंक दिनांक 23 अगस्त, 2023 को अग्रिम कार्यवाही प्रकाशित किया जा चुका है। तथा अन्तिम निर्णय के पश्चात उक्त अधिनियम की धारा 301 के अन्तर्गत गजट में प्रकाशन हेतु भेजा जा रहा है। और यह घोषित किया जा रहा है। कि उक्त अधिनियम के गजट में प्रकाशित होने की तिथि से प्रभावी समझी जायेगी।

(1) यह नियमावली सरकारी गजट, में प्रकाशन के दिनांक से प्रभावी मानी जावेगी।

### 2—परिभाषाएँ—

(क) अधिनियम का तात्पर्य नगर पंचायत अधिनियम, 1916 है।

(ख) नगर पंचायत तात्पर्य नगर पंचायत बाजना से है।

(ग) शुल्क के तात्पर्य नगर पंचायत बाजना द्वारा वर्णित मदों पर लगाये शुल्क से है।

(घ) प्रभारी अधिकारी का तात्पर्य नगर पंचायत बाजना के प्रभारी अधिकारी से है।

(ङ) अधिशासी अधिकारी का तात्पर्य नगर पंचायत बाजना के अधिशासी अधिकारी से है।

(च) निरीक्षणकर्ता से तात्पर्य नगर पंचायत परिषद द्वारा अधिकृत/कर्मचारी से है।

#### उपनियम—

1—यह नियम नगर पंचायत बाजना के सीमान्तर्गत लागू होंगे।

2—नियमावली में निर्धारित दरें धनराशि शुल्क से रूप में कार्यालय नगर पंचायत बाजना में अदा करके लाइसेन्स प्राप्त कर लिया जायेगा।

3—लाइसेन्स शुल्क की अवधि प्रतिवर्ष 01 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगी।

4—लाइसेन्स शुल्क वर्ष के प्रथम माह अप्रैल में देय होगी।

5—नियमावली तालिका में वर्णित मदों पर शुल्क लिये जाने की सूची तैयार करने का अधिकारी अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बाजना का है।

6—नगर पंचायत अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी/अधिकृत कर्मचारी किसी भी समय दुकान के लाइसेन्स का निरीक्षण कर सकते हैं और प्रत्येक दुकान के अन्दर आवश्यक स्थिति में प्रवेश कर सकते हैं।

7—अधिशासी अधिकारी/अधिकृत कर्मचारी सभी लाइसेन्स निर्गत कर सकता है।

8—जो शुल्क इस तालिका में नहीं उन्हें सम्बन्धित व्यवसाय के समकक्ष मानकर उसी के अनुरूप लाइसेन्स शुल्क लिया जायेगा।

9—इस उपनियम के प्रभावी होते ही पूर्व से प्रभावी लाइसेन्स उपनियमावली की शुल्कों की दरों को स्वतः ही निरस्त माना जायेगा।

10—प्रत्येक व्यवसाय का लाइसेन्स लेना अनिवार्य होगा।

क्र०सं०	विवरण	धनराशि
1	2	3
		रु०
1.	<b>होटल रेस्टोरेन्ट—</b>	
	1—होटल लाजिंग तथा गेस्ट हाउस 10 शैया तथा बारातघर	10,000.00
	2— होटल लाजिंग तथा गेस्ट हाउस 100 शैया से 20 शैया तक	15,000.00
	3— सामान्य होटल/रेस्टोरेन्ट	3,000.00
	<b>नर्सिंग होम—</b>	
	1— नर्सिंग होम (20 बेड तक)	2,000.00
	2— नर्सिंग होम (30 बेड तक)	5,000.00
	3— प्रसूति गृह (20 बेड तक)	4,000.00
2.	4— प्राइवेट अस्पताल	5,000.00
	5— पथोलोजी सेन्टर	1,000.00
	6— एक्सरे क्लीनिक	2,000.00
	7— डेन्टल क्लीनिक	1,500.00
	8— प्राइवेट क्लीनिक	1,500.00

1	2	3
		रु0
3.	<b>परिवहन—</b>	
	1— ट्रासपोर्ट (बिना वाहन के एजेन्सी)	500.00
	2— ट्रासपोर्ट एजेन्सी (वाहन सहित)	1,000.00
	3— ऑटो रिक्शा (2 सीटर)	300.00
	4— ऑटो रिक्शा (7 सीटर)	720.00
	5— ऑटो रिक्शा (4 सीटर)	500.00
	6— मिनी बस	1,500.00
	7— बस	2,500.00
	8— तांगा	100.00
	9— रिक्शा किराये पर	100.00
	10— रिक्शा निजी पर	100.00
	11— ठेला/ठेली	100.00
	12— बैलगाड़ी/भैसा गाड़ी	50.00
	13— हाथ ठेला	25.00
	14— ट्रौली	50.00
	15— अन्य चार पहियों के वाहन तथा व्यापारिक प्रयोग हेतु वाहन	500.00
	16— मोटर गैरिज	500.00
	17— स्कूटर गैरिज/रिपेयरिंग शॉप	500.00
	18— मोटर वाहन एजेन्सी (सेलस सर्विस)	10,000.00
	19— स्कूटर एजेन्सी (2 पहिया/3 पहिया)	5,000.00
	20— साईकिल की दुकान	1,000.00
	21—प्रिंटिंग प्रेस	1,000.00
4.	<b>पैट्रोलियम—</b>	
	1— दुकान मिट्टी के तेल 100 गैलन तक	100.00
	2— पेट्रोल पम्प/डीजल पम्प थ्रो (ऑयल कम्पनी)	10,000.00
	3— पेट्रोल पम्प/ डीजल पम्प फुटकर	2,000.00
	4— जेनरेटर डीजल	500.00
	5— अन्य दुकान पैट्रोलियम उत्पादन	500.00
5.	<b>अन्य व्यवसाय</b>	
	1— धुलाई गृह (लाण्ड्री)	200.00
	2— ड्राई क्लीनर	300.00
	3— साबुन फैक्ट्री	1,000.00
	4— गुड़ गोदाम	900.00
	5— कंकड़ तथा सुर्खी का भट्टा	1,500.00

1	2	3
		रु0
	6-चूना	200.0
	7-पेठा बनाने का कारखाना	500.00
	8-जूता बनाने वाला कारखाना	800.00
	9-लोहा व्यापारी, टिम्बर मर्चेन्ट सीमेन्ट ईट बालू (थोक मोरम वालू) मारबल टाइल्स हार्डवेयर	10,000.00
	10-बिजली सामान के विक्रेता	500.00
	11-कपड़ा फुटकर एवं थोक व्यापारी	5,000.00
	12-चाय के थोक विक्रेता	100.00
	13-नट फैक्ट्री	100.00
	14-खाल एवं बाल उतारने वालों पर	600.00
	15-वेटरिंग	600.00
	16-बेकरी	1,000.00
	17-बेकरी (पावर)	1,500.00
	18-हेयर कटिंग सैलून	200.00
	19-ब्यूटी पार्लर	200.00
	20-कूकिंग गैस एजेन्सी	500.00
	21-जनरल मर्चेन्ट (फुटकर एवं थोक)	1,000.00
	22-कोयला थोक विक्रेता	1,000.00
	23-मसाला/पान मसाला फैक्ट्री	2,000.00
	24-कोयला फुटकर विक्रेता	1,000.00
	25-पेन्ट की दुकान (रंग रोगन)	1,000.00
	26-ज्वैलर्स	5,000.00
	27-विज्ञापन एजेन्सी	1,000.00
	28-डेयरी उद्योग पनीर विक्रेता व अन्य डेरी फार्म	10,000.00
	29-भूसा फार्म थोक	10,000.00
	30-भूसा विक्रेता फुटकर	500.00
	31-ऑडियो लाइब्रेरी	1,000.00
	32-वीडियो लाइब्रेरी	1,000.00
	33-केबिल टी0वी0	1,000.00
	34-आर्कटेक्ट कन्सलटेन्ट विधि एकाउन्टेड कास्ट एकाउन्टेड	4,000.00
	35-फाइसेन्स कम्पनी चिटफण्ड	6,000.00
	36-इश्योरेन्स कम्पनी प्रति शाख	12,000.00
	37-फाउण्डिंग कम्पनी/इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रियल	1,000.00
	38-ढलाई भटटी , खराद मशीन	50.00

1	2	3
		रु0
	39—सब्जी गोदाम/फल गोदाम	1,000.00
	40—हड्डी, खाल सींग, चमड़ा, खांडसारी आदि फुटकर विक्रेता	500.00
	41—बार/बीयर	5,000.00
	42—शीरा फैक्ट्री	4,000.00
	43—टेन्ट हाउस	5,000.00
	44—पनीर विक्रेता घी	1,000.00
6.	<b>दुकान—</b>	
	1— पान/तम्बाकू की दुकान	200.00
	2— चाय की दुकान	200.00
	3— जनरल मर्चेन्ट की दुकान	500.00
	4— किताबों की थोक दुकान	1,000.00
	5— किताबों की फुटकर दुकान	200.00
	6— न्यूज पेपर विक्रेता	100.00
	7— लकड़ी की टाल थोक विक्रेता	1,000.00
	8— लकड़ी की टाल फुटकर विक्रेता	500.00
	9— टिम्बर मर्चेन्ट	5,000.00
	10— रेडियों मैकेनिक, टी0वी0 मरम्मत	300.00
	11— टी0वी0 शॉप/इलेक्ट्रॉनिक वस्तुयें	2,000.00
	12— फर्टिलाइजर (शॉप)	1,500.00
	13— फर्टिलाइजर फैक्ट्री	3,000.00
	14— प्लास्टिक ट्रेडर्स	500.00
	15— मिठाई की दुकान	2,000.00
	16— पानी बतासा की दुकान	200.00
	17— ड्राई फ्रूट की दुकान	200.00
	18— गैस फिलिंग प्लान्ट	4,000.00
	19— गैस फिलिंग दुकान (छोटी)	200.00
	20— सब्जी की दुकान/फल की दुकान	200.00
	21— ड्राई फ्रूट की फुटकर दुकान	500.00
	22— बिल्डर्स (रजिस्टर्ड)	15,000.00
	23— मसाले की थोक विक्रेता	1,000.00
	24—आर.ओ. प्लांट	1,000.00
	25—आटा चक्की	500.00
	26—तेल घानी	5,000.00
	27—मुर्गी मांस दुकान	10,000.00

1	2	3
		रु0
	28— मसाले के फुटकर की दुकान	500.00
	29— पीतल एवं स्टील बर्तन/पातल से बनी वस्तुओं के थोक विक्रेता	5,000.00
	30— पीतल एवं स्टील बर्तन/पीतल से बनी वस्तुओं के फुटकर विक्रेता	500.00
	31— देशी शराब की प्रति दुकान	10,000.00
	32— अंग्रेजी शराब की दुकान	10,000.00
	33— पशु वधशाला (स्लाटर हाउस)	21,000.00
	34— भैंस भैंसा (बड़ा) पशु मांस की दुकान	10,000.00
	35— बकरा/बकरी (छोटा) पशु मांस की दुकान	5,000.00
	36— फर्नीचर की दुकान (शोरूम)	5,000.00
	37— क्रॉकरी विक्रेता	200.00
	38— चूड़ी विक्रेता	100.00
	39— जूता (चमड़ा, प्लास्टिक) विक्रेता	200.00
	40— गलास फैक्ट्री/कांच से बनाने वाली समस्त फैक्ट्री	1,000.00
	41— अंग्रेजी व आयुर्वेदिक दवा की फुटकर/थोक	2,000.00
	42— फर्नीचर विक्रेता	2,500.00
	43— रस्सी/बान/बांस बल्ली आदि की दुकान	200.00
	44— अन्य सभी प्रकार की दुकान एवं प्रतिष्ठान	200.00
	45— अन्य सभी प्रकार की फैक्ट्रियां आदि	3,000.00
7.	<b>पशुपालन—</b>	
	1— प्रति पशु (बड़ा)	50.00
	2— प्रति पशु (छोटा)	20.00
	3— कांजी हाउस उसमें बन्द जानवरों पर जुर्माना/गौशाला में बन्द जानवरों पर जुर्माना	500.00
	(क) बड़े जानवर प्रतिदिन की शुल्क	50.00
	(ख) छोटा जानवर	25.00
	4— प्रतिदिन खुराकी छोटे जानवर बकरी आदि	20.00
	5— प्रतिदिन खुराकी बड़े जानवर गाय भैंस घोड़े आदि	50.00
	6—व्यक्तिगत जगह पर प्राईवेट हाट/ पशु हाट/बाजार लगवाना/प्रति पशु बड़ा	25.00
	7—व्यक्तिगत जगह पर प्राईवेट हाट/ पशु हाट/बाजार लगवाना/प्रति पशु छोटा	20.00
	8—सरकारी पशु हाट पर प्रति पशु बड़ा	100.00
	9— सरकारी पशु हाट पर प्रति पशु छोटे	80.00

उपरोक्त वर्णित विषय में वार्षिक शुल्क/मद में प्रत्येक 2 वर्ष में बढ़ोत्तरी करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत का अधिकार होगा।



**विलम्ब शुल्क**

सभी दुकानों व कारखानों पर प्रतिमाह रु0 10.00 (दस रुपया मात्र) विलम्ब देय होगा।

**दण्ड**

नगर पंचायत अधिनियम 1916 की धारा (1) के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करके नगर पंचायत बाजना, जनपद मथुरा यह आदेश देता है कि उपरोक्त नियमों का उल्लंघन करने वालों पर अंकन रु0 1,000.00 (एक हजार रु0 मात्र) तक जुर्माना किया जा सकता है यदि उल्लंघन जारी रहे तो प्रथम दोष सिद्ध के दिनांक से रु0 25.00 (पच्चीस रुपये मात्र) प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना किया जा सकता है जुर्माना अदा न करने पर तीन मास तक का कारावास का दण्ड भी न्यायालय द्वारा दिया जा सकता है।

सुभाष चौधरी,  
अध्यक्ष,  
नगर पंचायत, बाजना,  
मथुरा।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम सुशान्त पाण्डेय है यही नाम उसके शैक्षिक अभिलेखों में भी अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड संख्या-614765703162 में उसका नाम विकल्प पाण्डेय है जो उसका घरेलू नाम है। भविष्य में मेरे पुत्र को सुशान्त पाण्डेय पुत्र राजकुमार पाण्डेय के नाम से जाना व पहचाना जाय।

राजकुमार पाण्डेय,  
नि0 ग्राम कुलमई, नचकोल का पुरा  
पो0 एवं तहसील करछना,  
प्रयागराज।

**सूचना**

सूचित किया जाता है कि मेरे कुछ अभिलेखों में मेरा नाम इमरान सिद्दीकी पुत्र गुफरान उद्दीन सिद्दीकी अंकित है। तथा कुछ अभिलेखों में मेरा नाम इमरान सिद्दीकी पुत्र गुफरान सिद्दीकी अंकित है। मेरे पिता का सही नाम गुफरान उद्दीन सिद्दीकी है जो उनके आधार कार्ड, पैन कार्ड में अंकित है भविष्य में मुझे इमरान सिद्दीकी पुत्र गुफरान उद्दीन सिद्दीकी के नाम से जाना व पहचाना जाये। निवासी 91/13 बाबा गार्डन गेस्ट हाउस चक दोन्दी नैनी, प्रयागराज।

इमरान सिद्दीकी।

**सूचना**

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड दिल्ली द्वारा आयोजित मेरे हाई स्कूल परीक्षा वर्ष 2018, अनुक्रमांक 5084964 से

उत्तीर्ण परीक्षा के प्रमाण-पत्र सह अंकपत्र में पिता का नाम MANOJ LAL GUPTA दर्ज है जो गलत है। मेरे पिता का सही नाम MOHAN LAL GUPTA है। जिसे अंकपत्र और सभी दस्तावेजों में सुधार करवाना है। प्रेम राज गुप्ता पुत्र मोहन लाल गुप्ता, निवासी जंगल खिरकिया, पोस्ट-जंगल सिंगापट्टी, कुशीनगर।

प्रेम राज गुप्ता,

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै, फूटौन शूज, बी 69, कमला नगर, आगरा उपरोक्त फर्म में साझेदार श्रीमती त्रिपता जोशान पत्नी श्री आर पी जोशान, श्री सुनील कुमार जोशान पुत्र श्री आर पी जोशान सभी साझेदारों ने अपनी फर्म दिनांक 30 नवम्बर, 1981 को संचालन की थी दिनांक 01 अप्रैल, 2012 से श्री सुमित कुमार जोशान श्री सुनील कुमार जोशान नये साझेदार के रूप में शामिल हो गये हैं फर्म का पूर्व पता बी, 69 कमला नगर, आगरा को परिवर्तित कर नया पता-5 के0एम0 स्टोन एन0एच0 2 आगरा दिल्ली बाईपास रोड अपोजिट कामयानी हास्पिटल, आगरा कर दिया गया है, फर्म के पूर्व पते पर कोई लेनदारी-देनदारी बकाया नहीं है दिनांक 31 मार्च, 2013 को श्रीमती त्रिपता जोशान अपनी सवेच्छा से अलग हो गयी है। उनका फर्म में कोई लेन-देन शेष नहीं है। दिनांक 01 अप्रैल, 2013 से श्रीमती अनु जोशान फर्म में सम्मिलित हो गये हैं, अब फर्म को श्री सुनील कुमार जोशान, श्री सुमित कुमार जोशान, एवं श्रीमती अनु जोशान संचालित करेंगे।

सुनील कुमार जोशान।  
साझेदार

### सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि मेसर्स-चौधरी नर्सिंग एण्ड कामर्शियल सेन्टर, एस-1, यू0पी0एस0 आई0 डी0सी0चिनहट, देवा रोड, जिला-लखनऊ की साझेदारी फर्म 1932 साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत लखनऊ से पंजीकृत है फर्म में डॉ0 ए0के0 मिड्डा एवं श्रीमती मेनका सिंह साझेदार हैं, जिसमें एक नयी साझेदार श्रीमती सुषमा अरोड़ा दिनांक 15 जून, 2023 से फर्म की साझेदारी में शामिल हो रही है, वर्तमान में फर्म में तीन साझेदार डॉ0 ए0के0 मिड्डा, श्रीमती मेनका सिंह एवं श्रीमती सुषमा अरोड़ा साझेदार हैं। जिसकी सूचना दी जा रही है।

डा0 ए0के0 मिड्डा,  
साझेदार,  
चौधरी नर्सिंग एण्ड कामर्शियल सेन्टर,  
जिला-लखनऊ।

जिसमें 15 मई, 2016 को संशोधन कराकर नये सदस्य अशोक कुमार राय को रखा गया था, वर्तमान में जिसमें प्रवीण कुमार राय प्रथम, ए बी आर इन्फ्राबिल्ड प्राइवेट लिमिटेड द्वितीय साझेदार, सशि इन्फ्रग्रीन होम प्राइवेट लिमिटेड तृतीय एवं अशोक कुमार राय चतुर्थ साझेदार हैं, हम चारों साझेदारों द्वारा स्वेच्छा से उपरोक्त फर्म को दिनांक 11 अगस्त, 2023 को विघटित कर दिया है तथा इस फर्म से चारों साझेदारों का कोई लेना-देना नहीं होगा। फर्म पर किसी भी प्रकार की देनदारी नहीं है। फर्म सभी देनदारियों से मुक्त है।

एतद्द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक रूप से औपचारिकताओं का पालन स्वयं मेरे द्वारा किया गया है।

प्रवीण कुमार राय,  
साझेदार  
मेसर्स-ए0एस0आर0ग्रीन सिटी।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म, मेसर्स-डीह रायबरेली इण्डेन सर्विस, ग्राम व पोस्ट-डीह, जिला-रायबरेली, उत्तर प्रदेश रजि0 नं0-200605 का पंजीकरण दिनांक 06 नवम्बर, 2015 को कराया गया था जिसमें राजेश कुमार सिंह प्रथम एवं सुमन सिंह द्वितीय साझेदार थे, हम दोनों साझेदारों द्वारा स्वेच्छा से उपरोक्त फर्म को दिनांक 15 सितम्बर, 2023 को विघटित कर दिया है तथा इस फर्म से हम दोनों साझेदारों का कोई लेना-देना नहीं होगा। फर्म पर किसी भी प्रकार की देनदारी नहीं है। फर्म सभी देनदारियों से मुक्त है।

एतद्द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक रूप से औपचारिकताओं का पालन स्वयं मेरे द्वारा किया गया है।

राजेश कुमार सिंह,  
साझेदार  
मेसर्स-डीह रायबरेली इण्डेन सर्विस।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स .अभिषेक बिल्डर्स, 2/53 विजय खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ रजि0 नं0-7 एफ-1982 का संशोधन दिनांक 19 अक्टूबर, 2016 को कराया गया था जिसमें राजेश सिंह प्रथम, शुभम सिंह द्वितीय एवं लक्ष्मण सिंह तृतीय साझेदार थे। उक्त फर्म में दिनांक 11 सितम्बर, 2023 से शुभम सिंह फर्म से हट गये हैं, उक्त तिथि से द्वितीय साझेदार का फर्म से कोई लेना-देना नहीं होगा। वर्तमान में उक्त फर्म में राजेश सिंह प्रथम एवं लक्ष्मण सिंह द्वितीय साझेदार के रूप में सम्मिलित हैं।

एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक रूप औपचारिकताओं का पालन स्वयं मेरे द्वारा किया गया है।

राजेश सिंह,  
साझेदार  
मेसर्स.अभिषेक बिल्डर्स।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स-ए एस आर ग्रीन सिटी, म0नं0 सी-48/5 पेपर मिल कालोनी, निशातगंज, लखनऊ रजि0 नं0.199879 का पंजीकरण दिनांक 13 अप्रैल, 2015 को कराया गया था

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स-पवन ट्रेवेल्स, 554/37ग/26 ए पवनपुरी गली नं0-8 आलमबाग, लखनऊ रजि0 नं0-198863 का

रजिस्ट्रेशन दिनांक 03 सितम्बर, 2014 को कराया गया था जिसमें पवन तिवारी प्रथम एवं सुषमा तिवारी द्वितीय साझेदार थे। उक्त फर्म में दिनांक 11 सितम्बर, 2023 से सुषमा तिवारी फर्म से हट गयी हैं, जिनके स्थान पर काजल पाण्डेय पुत्री राकेश पाण्डेय निवासी सहजवार, लच्छीपुर, जिला-प्रतापगढ़ को दिनांक 11 सितम्बर, 2023 से शामिल कर लिया गया है। उक्त तिथि से पूर्व के द्वितीय साझेदार का भविष्य में कोई लेना-देना नहीं होगा वर्तमान में उक्त फर्म में पवन तिवारी प्रथम एवं काजल पाण्डेय द्वितीय साझेदार के रूप में सम्मिलित हैं।

एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक रूप से औपचारिकताओं का पालन स्वयं मेरे द्वारा किया गया है।

पवन तिवारी,  
साझेदार  
मेसर्स.पवन ट्रेवेल्स।

### सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स "फर्स्ट वेंचर होल्डिंग्स", कोठी मौ0 यार खान, सिविल लाइन्स, जिला मुरादाबाद (यू0पी) नामक फर्म में दिनांक 02 मई, 2022 को श्री समीर अरोरा पुत्र श्री सुरेश कुमार अरोरा व श्री कबीर अरोरा पुत्र श्री समीर अरोरा व श्रीमती निधि अरोरा पत्नी श्री समीर अरोरा पुत्री श्री सुरेश कुमार अरोरा, निवासीगण 1. मधुर ग्रीन विलास, रामगंगा विहार फेज.2, जिला मुरादाबाद रिटायर हो गये हैं तथा उक्त फर्म पर रिटायर्ड पार्टनर की कोई देनदारी व लेनदारी बकाया नहीं है तथा अब वर्तमान में चार पार्टनर श्री अमान यार खान (25 %), जमान यार खान (25 %), श्री मुस्ताहसन खान (25 %), व श्री जुहैब यार खान (25 %), रह गये हैं।

जमान यार खान,  
पार्टनर  
फर्म मेसर्स "फर्स्ट वेंचर होल्डिंग्स",  
कोठी मौ0 यार खान, सिविल लाइन्स,  
जिला-मुरादाबाद (यू0पी)।

### सूचना

मेरा नाम त्रुटिवश (Tata AIA Life Insurance)  
पॉलिसी सं0-C181839239 में मेरा नाम Kuldeep

Kumar Maurya S/o Paras Nath Maurya हो गया है। जबकि मेरे आधार कार्ड पैन कार्ड व शैक्षिक योग्यता में मेरा नाम Kuldeep Kumar S/o Paras Nath है। अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय, पता-पूरे बागी, माधोनगर, बिगहिया, प्रयागराज उ0प्र0।

कुलदीप कुमार

### सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे सेवा से सम्बन्धित अभिलेखों में मेरा नाम शम्भूनाथ मिश्र उन्नतपथ तथा कुछ जगहों पर मेरा नाम शम्भूनाथ मिश्र पुत्र रामलखन मिश्र अंकित है। वैसे उपरोक्त दोनो नाम मेरे ही हैं, भविष्य में मुझे सही नाम शम्भूनाथ मिश्र पुत्र रामलखन मिश्र के नाम से जाना व पहचाना जायें।

शम्भूनाथ मिश्र पुत्र रामलखन मिश्र भूतपूर्व सैनिक (आर्मी सं0-143837Y) ग्राम भसरी पोस्ट डांडी, तहसील व थाना गोला, जनपद गोरखपुर, उ0प्र0।

शम्भूनाथ मिश्र।

### सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शिवकुमार पत्नी अरविन्द कुमार, निवासी गोहरी, फाफामऊ तहसील सोरोंव, जनपद-प्रयागराज शपथ बयान करती हूँ कि मेरा बैंक अभिलेखों में नाम गलती से श्यामकली दर्ज हो गया है, जोकि अशुद्ध है। मेरा सही और शुद्ध नाम शिव कुमारी है। आज से मुझे शिवकुमारी पत्नी अरविन्द कुमार के नाम से जाना व पहचाना जाये जोकि मेरे आधार-कार्ड में भी है।

शिव कुमारी।

### सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता जी का सही नाम सतीश चन्द्र है, जो कि उनके आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में अंकित है। त्रुटिवश मेरे हाई स्कूल वर्ष 2019-20 अनुक्रमांक 23228825 व इण्टर मीडिएट वर्ष 2021-22 अनुक्रमांक 23657262 में मेरे पिताजी का नाम संतोष कुमार अंकित हो गया है, जो कि गलत है। कु0 सुरभि पुत्री सतीश चन्द्र पता पुरानी कलेक्ट्रेट के पीछे, भदोही, उत्तर प्रदेश 221304।

कुमारी सुरभि,

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम अंतरिक्ष गुप्ता है, जो उसके शैक्षिक अभिलेखों आधार कार्ड में अंकित है। अपने ज्योतिषाचार्य के अनुसार अपने पुत्र का नाम अन्तरिक्ष गुप्ता से बदलकर वर्चस्व गुप्ता रख लिया है। ताकि मेरे बच्चे का भविष्य उज्ज्वल हो सके। भविष्य में मेरे पुत्र को वर्चस्व गुप्ता पुत्र चन्द्रशेखर गुप्ता के नाम से जाना व पहचाना जाये।

चन्द्रशेखर गुप्ता,  
पुत्र रामसेवक गुप्ता,  
निवासी-डी 2-341, सेक्टर डी,  
कानपुर रोड, एल0डी0ए0 कालोनी,  
लखनऊ, उत्तर प्रदेश, पिन-226012

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि M/S ALLADIN & SONS, Mauranipur, Distt. Jhansi (U.P.) वर्तमान में पंजीकृत फर्म जिसके साझेदारों का विवरण निम्न प्रकार है :-

1. Noor Ahmad
2. Farog Ahmad
3. Kalimuddin Ahmad

जिसमें दिनांक 12 दिसम्बर, 2020 को Kalimuddin Ahmad का निधन हो गया है।

एतद् द्वारा यह भी प्रमाणित किया जाता है। कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक रूप से औपचारिकताओं का पालन स्वयं मेरे द्वारा किया गया है।

Farog Ahmad,  
साझीदार,  
साझेदार मेसर्स ALLADIN & SONS,  
Mauranipur, Distt. Jhansi (U.P.)